मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शुक्रवार, 14 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 14 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 331 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ विभाजन की विभीषिका और फिल्मी गीतों में रोता हिन्दुस्तान

जिया शंकर ने की सगाई ◂◂ 6

ट्रक से टकरायी कांवरियों से भरी बस तीन की मौत, पांच से अधिक घायल

बस में सवार सभी श्रद्धालु नेपाल के थे,बासुकीनाथ में दर्शन कर वापस लौट रहे थे

संवाददाता

कोडरमाः जिले के सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत पोखरडीहा मोड़ के समीप शुक्रवार तड़के दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां कांवरियों से भरी बस ट्रक से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि 50 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। बस में सवार सभी श्रद्धालु नेपाल के रोतहट जिले के निवासी बताए जा रहे हैं।

बासुकीनाथ में पूजा-अर्चना कर राजगीर की ओर लौट रहे थेः जानकारी के अनुसार, नेपाल से आए बोल बम श्रद्धालुओं देवघर और बासुकीनाथ में पूजा-अर्चना कर राजगीर की ओर लौट रहे थे। तभी पोखरडीहा मोड़ के समीप सफारी ट्रेवल्स बस की ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और कई लोग बस के भीतर फंस गए।

पुलिस और ग्रामीणों ने चलाया राहत अभियानः हादसे में तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों में शिवम कुमार (12 वर्ष) शामिल हैं। अन्य मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। कई घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सतगावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल यात्रियों को सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया गया है। चिकित्सकों की टीम लगातार घायलों के उपचार में जुटी हुई है।

तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत, मचा कोहराम

गिरीडीह : जिले के पचंबा थाना क्षेत्र स्थित रानीखावा में शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रानीखावा निवासी शंकर रजक के पुत्र हार्दिक रजक और विष्णु रजक के पुत्र प्रेम रजक के रूप में हुई है। दोनों की उम्र 13 वर्षीय बताई जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हार्दिक रजक और प्रेम रजक शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे सड़क किनारे स्थित तालाब में कमल के फूल निकालने गए थे। इसी दौरान तालाब की गहराई अधिक होने के कारण दोनों बच्चे पानी में डूब गए। बताया गया कि उनके साथ मौजूद एक बच्चे ने घटना की जानकारी गांव के लोगों को दी।

सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तालाब में बच्चों की तलाश शुरू की। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों को तालाब से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलने पर पचंबा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों बच्चों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक साथ दो बच्चों की मौत की खबर से पूरे रानीखावा इलाके में मातम पसर गया है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल है।

पेड़ से टकरायी अनियंत्रित बस, 15 घायल

सिमडेगाः कोलेबिरा ब्लॉक के समीप रांची जा रही शिवम नामक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में बस में सवार करीब 15 यात्रियों को हल्की-फुल्की चोटें आई हैं। फिलहाल किसी के गंभीर रूप से घायल होने या बड़ी जनहानि की सूचना नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार शिवम बस सिमडेगा से रांची की ओर जा रही थी। इसी दौरान हाईवे पर एक ट्रक को साइड देने के क्रम में बस अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकरा गई। घटना की सूचना मिलते ही कोलेबिरा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलवाया और घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोलेबिरा पहुंचाया। थाना प्रभारी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल भी जाना।

छात्रों के समर्थन में उतरे सीजेआई सूर्यकांत, बीसीआई को लगाई फटकार, कहा-

जल्द लें लाइसेंस और आएं सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को अपने एक सख्त फैसले पर उस वक्त मुंह की खानी पड़ी, जब विवाद गहराने के बाद उसे अपना ही आदेश वापस लेना पड़ा। दरअसल, बीसीआई ने हैदराबाद की प्रतिष्ठित नालसार यूनिवर्सिटी के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स का वकील के तौर पर रजिस्ट्रेशन रोकने का फरमान जारी किया था। लेकिन, राजनीतिक दबाव और फिर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की कड़ी फटकार के बाद अब पूरी बाजी पलट गई है। सीजेआई ने न सिर्फ छात्रों का खुलकर समर्थन किया है, बल्कि बीसीआई को सख्त हिदायत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अदालत और छात्रों के बीच के मामले में काउंसिल का कोई लेना-देना नहीं है।

जल्द लें लाइसेंस, सुप्रीम कोर्ट का हिस्सा बनें बारः जानकारी के मुताबिक, बीसीए ने शुरूआत में नालसार छात्रों का पंजीकरण न करने का आदेश दिया था। हालांकि, जब कॉकरोच जनता पार्टी ने बीसीआई के चेयरमैन मनन मिश्रा को सीधे निशाने पर लिया, तो काउंसिल बैकफुट पर आ गई और तुरंत अपना आदेश रद्द कर दिया। इस पूरे विवाद पर सीजेआई सूर्यकांत ने भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए आह्वान किया कि वे बिना किसी देरी के अपना लाइसेंस प्राप्त करें और सुप्रीम कोर्ट बार का हिस्सा बनें। सीजेआई ने कहा कि छात्रों का सुप्रीम कोर्ट बार में शामिल होना उन लोगों के लिए एक करारा जवाब होगा, जो इन युवा वकीलों के करियर में बेवजह रोड़े अटकाना चाहते थे।

छात्रों और हमारे बीच बीसीआईका कोई काम नहींः सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने सख्त लहजे में कहा कि अगर छात्र किसी कारणवश अदालत या व्यवस्था का विरोध करते हैं, तो इसमें बीसीआई को दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस उम्र में कभी-कभी ऐसी बातें कह दी जाती हैं जो शायद हमें गलत लगें, लेकिन उसे उसी रूप में छोड़ देना चाहिए। छात्रों को पूरी तरह आश्वस्त करते हुए सीजेआई ने कहा, हम आपके साथ हैं। छात्रों ने हमें पत्र लिखा है और यह पूरी बात हमारे और छात्रों के बीच की है।

चमोली टनल हादसे में झारखंड के दो मजदूरों की मौत, पांच घायलों का अस्पताल में चल रहा इलाज

रांचीः उत्तराखंड के चमोली टनल हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। मरनेवालों में दो मजदूर झारखंड के हैं। टीएचडीसी द्वारा निर्माणाधीन विष्णुगढ़ पीपलकोटि जल विद्युत परियोजना की गुरुवार की शाम करीब सात बजे अचानक सुरंग में भू-धंसाव होने से कई मजदूर अंदर फंस गए थे। रात भर चले रेस्क्यू ऑपरेशन में 21 लोगों को बाहर निकाला जा सका है।

सुरंग हादसे में 21 मजदूर रेस्क्यूः बीती रात मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उत्तराखंड के सीएम से फोन पर बात कर जानकारी ली थी। साथ ही हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया था। सीएम पुष्कर सिंह धामी भी हालात पर नजर रखे हुए हैं। सुरंग में भू धंसाव होने से काफी मात्रा में मलवा आ गया था जिससे राहत कार्य चलाने में परेशानी हो रही है। राज्य आपातकालीन सेवा के ड्यूटी ऑफिसर अनिल काला ने बताया कि अभी तक कुल 21 मजदूर रेस्क्यू कर लिए गए हैं, जिनमें 7 की मौत की पुष्टि हो गयी है, जबकि 14 मजदूरों का इलाज उत्तराखंड के गोपेश्वर जिला अस्पताल में चल रहा है। हादसे में झारखंड के दो मजदूरों की मौतः झारखंड से जिनकी मौत हुई है, उनमें 28 वर्षीय विजय कुमार और दूसरे मजदूर का नाम जितेंद्र कुमार का नाम शामिल है। कुछ मजदूरों के अभी भी टीआरटी टनल के अंदर फंसे होने की बात कही जा रही है। अस्पताल में भर्ती मजदूरों को हल्की तो कुछ को गंभीर चोटें आई हैं।

जहरीली गैस से गयाजी में चार की मौत, पुराने कुएं से शव निकालने उतरा जवान भी बेहोश

गयाजीः गढ़ करमौनी गांव में पुराने कुएं से जहरीली गैस निकलने की सूचना से हड़कंप मच गया। जहरीली गैस की चपेट में आने से चार लोगों के मौत की आशंका जताई जा रही है। कुएं से अब तक दो शव बरामद किए गए हैं। कुएं से शव निकालने के दौरान अग्निशमन दल का एक जवान भी जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गया। उसे तत्काल इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए राहत और बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है।

वह दौर बेहद डरावना था..., विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रधानमंत्री का भावुक संदेश, बंटवारे के दर्द को किया याद

नई दिल्ली : आजादी के जश्न में डूबे देश के बीच एक ऐसा दिन भी आता है, जो इतिहास के पन्नों में गहरे जख्मों के साथ दर्ज है। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उल्लास से ठीक एक दिन पहले, 14 अगस्त का दिन उन अनगिनत आंखों की नमी को बयां करता है जिन्होंने बंटवारे का वो खौफनाक मंजर अपनी आंखों से देखा था। इसी विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भावुक संदेश साझा करते हुए उन सभी परिवारों के दर्द और संघर्ष को याद किया है, जिन्हें रातों-रात अपना सब कुछ छोड़कर एक अनजान सफर पर निकलने को मजबूर होना पड़ा था।

हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ने वाला वो दर्दनाक इतिहासः सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा कि इतिहास का वह पन्ना बेहद डरावना और दर्दनाक था। बंटवारे की उस भयानक त्रासदी ने न जाने कितने ही हंसते-खेलते परिवारों को हमेशा के लिए बिखेर कर रख दिया। लोगों को

अपनी जन्मभूमि, अपनी जड़ें और अपने करीबियों को छोड़कर दर-बदर भटकना पड़ा। पीएम मोदी ने कहा कि उस दौरान लोगों ने जिस अकल्पनीय पीड़ा और यातनाओं का सामना किया, आज उसकी केवल कल्पना मात्र से ही रूह कांप जाती है। शून्य से शुरूआत कर गढ़ी सफलता की नई कहानीः इस भीषण त्रासदी और बेइंतहा दर्द के बावजूद देशवासियों के अटूट हौसले की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन लोगों ने कभी हार नहीं मानी। अपना सब कुछ गंवा देने के बाद भी उन्होंने शून्य से अपने जीवन की नई शुरूआत की। अपने खून-पसीने और कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने न सिर्फ अपनी जिंदगी को फिर से पटरी पर लाया, बल्कि हर मुसीबत और असफलता को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि इन लोगों ने राष्ट्र के निर्माण और देश की तरक्की में जो अहम योगदान दिया है, वह अदम्य इंसानी जज्बे की असली ताकत की एक जीती-जागती मिसाल है।

आपसी भाईचारे से ही साकार होगा सशक्त भारत का सपनाः अपने इस मार्मिक संदेश के अंत में प्रधानमंत्री ने देश के सभी नागरिकों से एक बेहद खास अपील भी की। उन्होंने कहा कि विभाजन का यह दिन हमें इस बात का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम अपने समाज में आपसी भाईचारा, मेल-मिलाप और सौहार्द को किसी भी कीमत पर आंच न आने दें।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संजय कुमार सिंह

प्रिंसिपल

गॅवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज

बासौरा,पलामू

पैकेज्ड फूड पर चेतावनी लेवल लगाने में देरी करने पर सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने देश में पैकेट बंद खाने-पीने की चीजों पर सामने की तरफ चेतावनी लेबल लगाने में देरी करने पर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (एफएसएसएआई) को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने पूछा है कि क्या एफएसएसएआई बड़ी कंपनियों और कॉरपोरेट घरानों के दबाव में आकर देश के लोगों और बच्चों की सेहत से खिलवाड़ कर रहा है। जजों ने कहा कि कंपनियों के फायदे या नुकसान को लोगों की सेहत से बड़ा नहीं माना जा सकता। इस देश के लोगों, खासतौर पर छोटे बच्चों का सेहतमंद रहना ज्यादा जरूरी है। सुनवाई के अंत में कोर्ट ने एफएसएसएआई को अपने फैसले पर दोबारा सोचने

के लिए दो सप्ताह का समय दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर एफएसएसएआई खुद सही और सख्त फैसला नहीं ले पाता है, तो वह खुद अपनी तरफ से कड़ा आदेश जारी करेगा। कोर्ट ने जिस मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की वह एफओपीएल (फ्रंट ऑफ पैकेट वार्निंग लेबल) से जुड़ा है। आसान भाषा में कहें तो यह खाने की चीजों के पैकेट में ज्यादा वसा (सैचुरेटेड फैट), चीनी या नमक की मात्रा के बारे में चेतावनी देने का मामला है।

इस साल फरवरी में कोर्ट ने पैकेट के सामने साफ चेतावनी लिखने को लेकर कदम उठाने के लिए कहा था। कोर्ट का मानना था कि इस तरह का निशान देख कर लोग सामान खरीदते समय सही और सेहतमंद चीज चुन सकेंगे। सुनवाई में एफएसएसएआई ने बताया कि उसने कंपनियों और दूसरे संबंधित पक्षों से इस बारे में चर्चा की थी। उनका मानना है कि लाल निशान या चेतावनी देखकर लोग डर जाएंगे। एफएसएसएआई ने सुझाव दिया कि इस तरह की चेतावनी की जगह एक छोटा चार्ट या टेबल देना बेहतर होगा। इस चार्ट में भारतीय लोगों के लिए तय मानक के हिसाब से दिन भर की सीमा बताई जाएगी। जस्टिस जेबी पारडीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बैंच ने इस सुझाव को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि एफएसएसएआई लोगों को यह बताने की बात कह रहा है कि उन्हें दिन भर में ज्यादा से ज्यादा 25 ग्राम चीनी, 10 ग्राम फैट और 5 ग्राम नमक लेना चाहिए। इस तरह ग्राहक दुकान पर खड़ा होकर हिसाब लगाता रहेगा कि उसे क्या और कितना खाना है। इससे चेतावनी देने का असली मकसद ही खत्म हो जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक

पूर्व जिला अध्यक्ष, पलामू

राज्य सचिव

झारखंड कांग्रेस कमेटी

समाचार सार

इरफान अंसारी ने किया नवनिर्मित स्वास्थ्य भवन का निरीक्षण

मुरी: सिल्ली में नवनिर्मित स्वास्थ्य भवन का झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने निरीक्षण किया और कहा कि जल्द उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकाल में मेडिकल स्टाफ ने अच्छा काम किया है। खराब पड़े मशीन को ठीक किया जाएगा, नये भवन में अल्ट्रा साउंड सिस्टम लगाया जाएगा।

साहिबगंज को हरा भरा रखने के लिए गंगा मिशन तीन हजार फलदार पौधों का करेगा वितरण

साहिबगंज: गंगा मिशन कोलकाता के तहत गंगा नगरी साहिबगंज को हरा भरा करने के लिए गुरुवार को कोलकाता से लगभग तीन हजार फलदार पौधा जिसने आम,नारियल, कटहलअमरूद,आंवला,त्रिफला सहित विभिन्न फलों का पौधा पहुंचा है। फलदार पौधा को भरतिया कॉलोनी में सुरक्षित रखा गया है । गंगा मिशन के सदस्य सुरेश निर्मल ने बताया कि जल्द ही गंगा मिशन की ओर से फलदार पौधा को निःशुल्क वितरण किया जाएगा । ताकि शहर व जिला हरा भरा रहे ओर अपने से लगाए फलदार पौधा का फल खाएं 17 अगस्त को विद्यालय के बच्चों के बीच पौधा वितरण किया जाएगा।

बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा व स्वास्थ्य सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता अभियान

साहिबगंज: जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के निदेर्शानुसार जमुना दास चौधरी बालिका उच्च विद्यालय, साहिबगंज में किशोरियों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह मुक्त भारत, बाल संरक्षण, पॉक्सो एक्ट, गुड टच-बैड टच, डिजिटल साक्षरता, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, डायन प्रथा उन्मूलन एवं सखी वन स्टॉप सेंटर सहित विभिन्न विषयों पर बालिकाओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने किशोरियों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी देते हुए शिक्षा को निरंतर जारी रखने, सुरक्षित एवं जागरूक रहने तथा बाल विवाह एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर एवं फोस्टर केयर जैसी सेवाओं के बारे में भी बताया गया।अभियान के दौरान एक पेड़ बेटी के नाम पहल के तहत किशोरियों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा उन्हें सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में संरक्षण पदाधिकारी गैर-संस्थागत देखरेख मीना कुमारी परियोजना समन्वयक मंथन अमन वर्मा, परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन मो. इकबाल विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य, शिक्षकगण एवं संबंधित पदाधिकारी-कर्मी उपस्थित रहे।

जेपीएससी- जेएसएससी आंदोलन, फुटेज से पहचाने जा रहे चेहरे उपद्रवी चेहरे, विधानसभा घेराव में गए 300 युवाओं पर एफआईआर

रांची: राजधानी रांची में बृहस्पतिवार को भर्ती परीक्षा अनियमितताओं को लेकर 10 अगस्त को झारखंड विधानसभा तक किए शांतिपूर्ण मार्च में शामिल 300 अज्ञात युवाओं के खिलाफ विधानसभा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। रांची पुलिस अधीक्षक पारस राणा ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों पर यह कार्रवाई निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप के तहत की गई है।

छात्र आंदोलन में लाठीचार्ज, वॉटर कैनन और आंसू गैस: पुलिस ने बताया कि वीडियो फुटेज के जरिए इन उपद्रवियों की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है। इससे पहले, रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और एसपी राकेश रंजन ने कहा था कि प्रशासन 10 अगस्त को छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में बाधा डालने वाले उपद्रवियों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि बवाल में 14 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज, वॉटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल किया था।

आंदोलन खत्म करने से छात्रों का इनकार: बीते 20 दिनों से रांची में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने अपना आंदोलन खत्म करने से इन्कार कर दिया। वे सीबीआई जांच और परीक्षाओं को रद्द करने की अपनी मांग पर अड़े रहे। आंदोलन के 20वें दिन जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में इकट्ठा हुए सैकड़ों छात्रों ने मांगे पूरी न होने तक विरोध जारी रखने की बात कही।

संस्कृति ज्ञान महा अभियान का शुभारंभ

विश्व में सबसे प्राचीन है भारतीय संस्कृति : सोनू

संवाददाता

साहिबगंज: विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज के वंदना कक्ष में संस्कृति ज्ञान महा अभियान का शुभारंभ श्याम मंदिर के पुजारी सोनू पांडे,वरिष्ठ आचार्या किरण कुमारी गुप्ता,संस्कृति बोध परियोजना के साहिबगंज संकुल संयोजक आचार्य राघव वत्स ने सरस्वती माता,ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया।किरण कुमारी गुप्ता ने सोनू पांडे को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।संस्कृति ज्ञान महाअभियान को संबोधित करते हुए सोनू पांडे ने बताया कि भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति है जिसमें मानव जीवन ही नहीं,संपूर्ण सृष्टि के लिए जीवन आदर्शों की अभिव्यक्ति है। आचार्य राघव वत्स ने बताया कि अनेकता में एकता भारत की सांस्कृतिक विशेषता है। सोनू पांडे के साथ विद्यालय के समस्त आचार्य बंधु ने संस्कृति ज्ञान महाअभियान के पुस्तकों का विमोचन किया। महाअभियान का संचालन आचार्य अमित कुमार ने किया।

संसद में बिल पास होने पर हेमंत सोरेन का केंद्र पर हमला

खनिज हमारे, हक हमारा दिल्ली क्यों तय करे?

खनिज संशोधन बिल से झारखंड को हजारों-करोड़ के नुकासन का दावा, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति से की हस्तक्षेप की मांग

संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संसद में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक पारित होने पर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने इसे झारखंड के साथ अन्याय बताते हुए केंद्र सरकार पर जल्दबाजी में विधेयक पारित कराने का आरोप लगाया।

हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और यहां के खनिजों पर राज्य के अधिकारों का फैसला दिल्ली में नहीं होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब खनिज झारखंड के हैं तो राज्य के

अधिकारों का निर्धारण केंद्र सरकार क्यों करे?

सोरेन ने दी चेतावनी : मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विधेयक के जरिए खनिज संपदा वाले झारखंड के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने जल्दबाजी में यह विधेयक पारित कर राज्य के हाथ-पैर बांधने का काम किया है।

सोरेन ने चेतावनी दी कि विधेयक के खिलाफ झारखंड में बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर आवाज उठाएगी।

राज्य के राजस्व पर असर पड़ सकता है: मुख्यमंत्री के मुताबिक, खान एवं खनिज संशोधन विधेयक के प्रभाव से राज्य के राजस्व पर असर पड़ सकता है। इसका सीधा प्रभाव झारखंड सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर पड़ेगा और कई योजनाएं बंद होने के कगार पर पहुंच सकती हैं।

जेपीएससी- जेएसएससी आंदोलनः 21वें दिन भी झुके नहीं छात्र भूख हड़ताल पर प्रेम नायक, सरकार से बातचीत की उम्मीद

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में जेपीएससी- जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन 21वें दिन भी जारी है। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में बड़ी संख्या में छात्र अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं। छात्र नेता प्रेम नायक ने बताया कि उनकी भूख हड़ताल का गुरुवार को 12वां दिन है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ठीक नहीं है और ब्लड शुगर व ब्लड प्रेशर बढ़ गया है, इसके बावजूद उन्होंने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया है। छात्रों ने जेपीएससी और जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द करने, सीबीआई जांच कराने और कड़े कानून बनाने की मांग दोहराई है। वहीं, छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल की सरकार के साथ बातचीत की संभावना भी जताई गई है।

रांची में जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों का विरोध-प्रदर्शन लगातार जारी है। छात्रों के मुताबिक, गुरुवार को आंदोलन का 21वां दिन है, जबकि छात्र प्रदर्शनकारी प्रेम नायक की भूख हड़ताल का 12वां दिन है। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में सुबह से ही आंदोलनकारी छात्र अपनी मांगों को लेकर जुटे हुए हैं। प्रेम नायक ने कहा कि आज उनकी तबीयत ठीक नहीं है। उनका ब्लड शुगर बढ़ गया है और ब्लड प्रेशर भी अधिक है। स्वास्थ्यकर्मियों ने उन्हें अस्पताल जाने की सलाह दी है, लेकिन उन्होंने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया है।

प्रेम नायक ने बताया कि छात्रों की ओर से सरकार के साथ बातचीत के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बातचीत को लेकर चर्चा चल रही है और मंत्रियों के साथ भी वार्ता की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि जेकेएलएम विधायक जयराम कुमार महतो बातचीत का नेतृत्व कर रहे हैं। संभावना है कि सरकार और छात्रों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत गुरुवार शाम हो सकती है। छात्रों की ओर से पांच लोगों का प्रतिनिधिमंडल वार्ता में शामिल होकर अपनी मांगें रख सकता है।

छात्रों की तीन प्रमुख मांगें, परीक्षा रद्द करने पर अड़े: प्रेम नायक ने कहा कि छात्र अपनी तीन प्रमुख मांगों पर अब भी कायम हैं। इनमें जेपीएससी-जेएसएससी सीजीएल परीक्षाओं को रद्द करना, पूरे मामले की उइक जांच कराना और सख्त कानून लागू करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन मांगों को लेकर छात्र पीछे हटने वाले नहीं हैं और आंदोलन जारी रहेगा।

पहले भी जताई थी भूख हड़ताल जारी रखने की बातः प्रेम नायक के अनुसार, आंदोलन के 20वें दिन भी स्थिति तेजी से बिगड़ रही थी। उस समय उन्होंने बताया था कि उनकी भूख हड़ताल का 11वां दिन था और डॉक्टर लगातार भूख हड़ताल समाप्त करने की सलाह दे रहे थे। उन्होंने कहा था कि सरकार उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर रही है, इसलिए भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों समेत सभी आंदोलनकारियों ने प्रदर्शन जारी रखने का निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रशासन ने पिछली रात आंदोलन स्थल का दौरा किया था और उसके रवैये में कुछ नरमी दिखाई दी थी। हालांकि, छात्रों का आरोप था कि प्रशासन अब भी उन्हें आंदोलन स्थल से हटाने की कोशिश कर रहा है। प्रेम नायक ने कहा था कि डॉक्टर भी भूख हड़ताल खत्म कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन छात्र अपनी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने पर अड़े हैं।

देश की आजादी, संघर्ष ,बलिदान, एकता और गौरव का प्रतीक है तिरंगा: पूर्व विधायक

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ तिरंगा यात्रा समाप्त

संवाददाता

साहिबगंज: जिला मुख्यालय में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाह्न पर हर घर तिरंगा के निमित भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष गौतम यादव के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में कई भाजपा कार्यकर्ताओं मातृशक्ति,विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक अनंत ओझा,पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद,कृपानाथ मंडल एवं धर्मेंद्र कुमार उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा के संयोजक जिला महामंत्री साखलू सोरेन एवं सह-संयोजक जिला महामंत्री धनंजय कुमार मंडल रहे। कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल जिला के वरिष्ठ पदाधिकारी सोनेलाल ठाकुर,राजेश मंदक,शयमल दास,पंकज घोष,कृष्णा शर्मा,धीरन तांती,बप्पी निर्मल साह संजीव गया,सागर मंडल चांदनी देवी,चंद्रभान शर्मा,प्रेमलाल मंडल, नगर अध्यक्ष विनोद चौधरी,ग्रामीण अध्यक्ष अनुराग राहुल शिवम शर्मा,संगीता देवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा की शुरूआत शहीद चौक पर शहीदों को माल्यार्पण के साथ हुई और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ यात्रा का समापन हुआ। मार्ग में प्रतिष्ठित सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यात्रा में की टीम,जिले के सभी मंडलों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी,वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता, मातृशक्ति तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। पूरे यात्रा मार्ग पर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से वातावरण देशभक्तिमय हो गया। तिरंगा लहराते हुए कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने देश की एकता,अखंडता और संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर पूर्व विधायक अनंत ओझा ने कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों से बना राष्ट्रीय ध्वज नहीं,बल्कि देश की आजादी, संघर्ष,बलिदान,एकता और गौरव का प्रतीक है। भारत को स्वतंत्र कराने के लिए अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उनके त्याग और संघर्ष के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं।इसलिए राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। वही भाजपा किसान मोर्चा के रास्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं,बल्कि उन वीर सपूतों को नमन करने का दिन है,जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश की नई पीढ़ी में भी राष्ट्रप्रेम,एकता और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

स्वर्णरेखा व खरकई नदी का जलस्तर बढ़ा, जमशेदपुर में बाढ़ का खतरा

गालूडीह बैराज के आठ गेट व गांजिया बैराज के सभी 13 गेटों को खेल दिया गया है

संवाददाता

जमशेदपुर : पिछले तीन-चार दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से स्वर्णरेखा और खरकई नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। दोनों नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। स्वर्णरेखा और खरकई नदी में पानी का स्तर बढ़ने की वजह से जमशेदपुर के आसपास के इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। जिला प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए शहरी क्षेत्रों और आसपास के इलाकों के लोगों को अलर्ट किया है। जानकारी के मुताबिक, स्वर्णरेखा और खरकई नदी में पानी का स्तर बढ़ने के बाद गालूडीह बैराज, चांडिल डैम और गांजिया बैराज से पानी छोड़ा जा रहा है। गालूडीह बैराज के आठ गेट खोल दिए गए हैं। जबकि गांजिया बैराज के सभी 13 गेटों को खोला गया है। इसी तरह चांडिल डैम के कुल नौ गेटों से पानी छोड़ा जा रहा है। लेकिन राज्य भर में लगातार बारिश होने की वजह से पानी छोड़ने के बाद भी नदियों का जलस्तर बढ़ता ही जा रहा है।

प्रशासन की तरफ से जानकारी दी है चांडिल डैम में अभी 462 एमसीएम पानी है। गांजिया बैराज का जलस्तर 139.50 मीटर है। जबकि गालूडीह बैराज का जलस्तर 92.60 मीटर रिकॉर्ड किया गया है। बाढ़ के खतरे को देखते हुए तीनों डैम व बैराज से क्रमशः 347.09 क्यूमेक्स, 5049.73 क्यूमेक्स और 3622.92 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा चुका है।

सिद्धो-कान्हू स्टेडियम साहिबगंज में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन

उपायुक्त - पुलिस अधीक्षक ने किया अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

साहिबगंजः स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 के सफल एवं गरिमामय आयोजन को लेकर आज मुख्य समारोह स्थल सिद्धो-कान्हू स्टेडियम साहिबगंज में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। उपायुक्त दीपक कुमार दूबे व पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से परेड के अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान पुलिस बल, एनसीसी कैडेट्स तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप परेड का पूर्वाभ्यास किया गया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परेड की विभिन्न टुकड़ियों का निरीक्षण करते हुए सलामी ली तथा जवानों एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान सार्जेंट मेजर एवं सार्जेंट के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियों ने अनुशासित एवं गरिमापूर्ण ढंग से मार्च-पास्ट का पूर्वाभ्यास किया।पूर्वाभ्यास कार्यक्रम से पूर्व उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पश्चात ध्वजारोहण का पूर्वाभ्यास किया गया तथा परेड की सलामी ली गई। स्कूली छात्राओं द्वारा ध्वजारोहण से पूर्व राष्ट्रीय गीत एवं ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का भी पूर्वाभ्यास किया गया।उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि समारोह स्थल पर सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएं। उन्होंने अतिथियों एवं आम नागरिकों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, मंच, पंडाल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य समारोह स्थल पर भव्य पंडाल एवं अन्य व्यवस्थाओं का कार्य अंतिम चरण में है।स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजारोहण एवं परेड के पश्चात विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

ध्वजारोहण की समय-सारणी सिद्धो-कान्हू स्टेडियमः मुख्य समारोह स्थल पूर्वाह्न 9:15 बजे,समाहरणालय, साहिबगंज पूर्वाह्न 10:35 बजे, विकास भवन, साहिबगंज पूर्वाह्न 10:55 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय पूर्वाह्न 11:15 बजे, पुलिस लाइन कार्यालय पूर्वाह्न 11:25 बजे,अनुमंडल कार्यालय, साहिबगंज पूर्वाह्न 11:45 बजे,इसके अतिरिक्त सभी सरकारी कार्यालयों एवं विद्यालयों में मुख्य समारोह स्थल पर निर्धारित झंडोत्तोलन कार्यक्रम से पूर्व ध्वजारोहण किया जाएगा।फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के अलावा जिले के वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, जवान, एनसीसी कैडेट्स, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज

16 अगस्त तक होगी बारिश तेज हवा व वज्रपात का अलर्ट

मेट्रो रेज

रांची : समेत झारखंड के कई जिलों में बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को रांची समेत कई जिलों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट, जबकि पलामू, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में बारिश व वज्रपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

15 अगस्त को गढ़वा, पलामू, चतरा, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम में भारी बारिश व वज्रपात की आशंका है। वहीं 16 अगस्त को भी गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

गुरुवार को खूंटी में सबसे अधिक 52 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि रांची में 12 मिमी बारिश हुई। लातेहार के चंदवा क्षेत्र में वज्रपात की चपेट में आने से धनरोपनी के लिए खेत गई 25 वर्षीय कलतिया देवी की मौत हो गई।

राज्य में अब तक सामान्य से 21 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जबकि रांची में बारिश की कमी 10 प्रतिशत दर्ज की गई है।

सीआईडी करेगी सेक्रेड हार्ट स्कूल के छात्र की संदिग्ध मौत की जांच

कोडरमा: जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के असनाबाद स्थित सेक्रेड हार्ट स्कूल के हॉस्टल में 10वीं कक्षा के छात्र उदित यादव की संदिग्ध मौत मामले की जांच अब सीआईडी करेगी। सरकार की अनुशंसा के बाद सीआईडी ने मामले को टेकओवर कर लिया है। सीआईडी अब छात्र की मौत से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करेंगे और यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि उदित यादव ने आत्महत्या की थी या उसकी हत्या हुई थी। बता दें कि दूधिमाटी निवासी विजय यादव के 17 वर्षीय पुत्र उदित यादव की 3 मई को हॉस्टल के कमरे में संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। स्कूल प्रबंधन की ओर से बताया गया था कि उदित ने गमछे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या की। घटना के बाद विद्यालय प्रबंधन आनन-फानन में उसे निजी वाहन से सदर अस्पताल कोडरमा ले गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

पिस्का मोड़ पेट्रोल पंप के पास मिला व्यक्ति का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

संवाददाता

रांची : जिले के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित पिस्का मोड़ पेट्रोल पंप के पास एक व्यक्ति का शव मिला है। खबर लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं सकी है। पुलिस शव की शिनाख्त और मौत के कारणों का पता करने में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, राहगीरों ने शुक्रवार की सुबह सड़क पर व्यक्ति को पड़ा देखा। जब काफी देर तक वह नहीं उठा तो लोगों ने उसे उठाने की कोशिश की। लेकिन व्यक्ति ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना पाकर सुखदेव नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और व्यक्ति की जांच की। जांच में व्यक्ति मृत पाया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही मामले की छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

स्टेट बार काउंसिल से जुड़े वकीलों को बड़ी राहत

सदस्यता शुल्क व अन्य बकाये का भुगतान करने की तिथि बढ़ाई गयी

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने एडवोकेट एसोसिएशन के चुनाव के बीच स्टेट बार काउंसिल से जुड़े वकीलों को बड़ी राहत दी है। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की एकल पीठ ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि जो वकील अपनी सदस्यता शुल्क (सब्सक्रिप्शन फीस) या अन्य बकाये का भुगतान नहीं कर पाए हैं वे 14 अगस्त 2026 की शाम 5:00 बजे तक एडवोकेट्स एसोसिएशन के कार्यालय में इसे जमा कर सकते हैं। इस संबंध में हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता अश्विनी प्रिया ने याचिका दायर की है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने अदालत का को बताया कि सुबह 10:30 बजे दिए गए आदेश में आपत्ति दर्ज करने की समय-सीमा 14 अगस्त तक तय की गई थी लेकिन सदस्यता शुल्क जमा करने की अनुमति संबंधी स्पष्ट निर्देश छूट गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने दोपहर 2:15 बजे फिर से सुनवाई की और वकीलों को बकाया शुल्क जमा करने की अतिरिक्त अनुमति दे दी। यह आदेश इलेक्शन कमेटी के सदस्य अधिवक्ता लुकेश कुमार और स्टेट बार काउंसिल के अधिवक्ताओं की उपस्थिति में दिया गया।

हाईकोर्ट ने इस आदेश की प्रतियों को त्वरित रूप से बार काउंसिल के वकीलों, चुनाव समिति के सदस्यों, याचिकाकर्ता के वकील और राज्य के महाधिवक्ता के कार्यालय में सौंपने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने अधिवक्ताओं के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में इस आदेश को तुरंत शेयर करने की जिम्मेदारी वकीलों को सौंपी है ताकि सभी संबंधित पक्षों तक यह सूचना समय पर पहुंच सके। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुबह दिए गए अन्य सभी दिशा-निर्देश और आदेश यथावत लागू रहेंगे।

बीआईटी चौक पर पार्किंग को लेकर विवाद, दो पक्षों में मारपीट

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के मेसरा स्थित बीआईटी चौक के पास बुधवार शाम वाहन खड़ा करने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट की घटना के बाद दोनों पक्षों ने बीआईटी थाना में एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

वास्तु विहार निवासी प्रियांशु सिंह ने केदल निवासी राम किशोर प्रसाद और उनके सहयोगियों पर लोहे की रॉड से हमला करने, सोने की चेन छीनने और बाइक क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया है। वहीं राम किशोर ने प्रियांशु सिंह पर मारपीट करने का आरोप लगाया है।

राम किशोर प्रसाद के अनुसार, मारपीट के दौरान उनके होंठ पर गंभीर चोट लगी, जिसके बाद उन्हें छह टांके लगाए गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीआईटी थाना प्रभारी अजय कुमार दास ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोयल नदी का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट ,लातेहार में तेज बारिश से संपर्क टूटा

पलामू/लातेहार: जिले से गुजरने वाली उत्तरी कोयल नदी में शुक्रवार को भीषण बाढ़ आई है। कई इलाकों में बाढ़ का पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है । पलामू प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर के निचले इलाकों के पानी भर गया है । मेदिनीनगर में कोयल नदी उफान पर है और जल स्तर 5.4 मीटर से अधिक है । कोयल नदी में बाढ़ के बाद किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा ।

दरअसल उत्तरी कोयल नदी में गुमला लोहरदगा एवं सिमडेगा के इलाके से पानी आता है । गुमला, लोहरदगा और सिमडेगा के इलाके में लगातार बारिश होने के बाद शुक्रवार को पलामू में उत्तरी कोयल नदी पूरी तरह से उफान पर है । मेदिनीनगर के पहाड़ी बेलवाटिकर इलाके के कई घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है, जबकि कई इलाकों में आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है । पलामू का लाइफ लाइन माने जाने वाला शाहपुर पुल के पास कोयल नदी उफान पर है.

बाढ़ को देखते हुए प्रशासन अलर्ट : बाढ़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी किया है और तटवर्ती इलाकों में पुलिस बल की तैनाती है । पुलिस लगातार लोगों से तटवर्ती क्षेत्र में नहीं जाने के लिए अपील कर रही है । नदी में पानी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग कोयल नदी के तटवर्ती की क्षेत्र में पहुंचे हैं । ट्रैफिक प्रभारी रूद्रानंद सरस ने बताया कि तटवर्ती क्षेत्र में निगरानी रखी जा रही है और लगातार लोगों को हटाया जा रहा है । बड़ी संख्या में लोग सेल्फी लेने के लिए तटवर्ती क्षेत्रों में जा रहे हैं. इधर पर्यावरणविद कौशिक मलिक ने कहा नदी के ब्ल्यू और रेड जोन में कई कंस्ट्रक्शन है, जिस कारण नदी का बहाव तेज हो गया है।

तेज बारिश से लातेहार में कई जगह सड़क संपर्क टूटे: लातेहार जिले में गुरुवार से शुरू हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई सड़कें टूट गई हैं । कई सड़कों पर पेड़ गिर जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो गया है । बारिश के कारण जिले के विभिन्न इलाकों में पानी भर गया है । जिससे जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया. फिलहाल जिला प्रशासन बारिश से हुए नुकसान का आकलन करने में जुट गया है ।

रांची विवि के चार कॉलेजों से हटाए गए साइंस के सभी विषय

संवाददाता

रांचीः रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने सभी अंगीभूत कॉलेजों के प्राचार्यों से छात्र-शिक्षक अनुपात की रिपोर्ट मांगी है। प्राचार्यों को शुक्रवार तक रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया है। कुलपति गुरुवार को सभी अंगीभूत कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ बैठक कर रही थीं। बैठक में यूजी और पीजी में नामांकन की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान कई प्राचार्यों ने बताया कि कुछ विषयों में विद्यार्थी तो हैं, लेकिन पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं। वहीं कई विषयों में शिक्षक उपलब्ध हैं, लेकिन विद्यार्थियों की संख्या उनके अनुपात में काफी कम है। इसके बाद कुलपति ने सभी कॉलेजों से छात्र-शिक्षक अनुपात की विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

चार कॉलेजों से हटाये गये साइंस के सभी विषयः राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में आरएलएसवाइ कॉलेज, एसएस मेमोरियल कॉलेज, जेएन कॉलेज धुर्वा और मांडर कॉलेज में साइंस के सभी विषयों को हटा दिया गया है। इसके अलावा कॉलेजों में बॉटनी और जूलॉजी की जगह अब लाइफ साइंस विषय को शामिल किया गया है। कुलपति ने बैठक में विषयवार बदलाव की भी समीक्षा की। निर्णय लिया गया कि जिन विषयों को संबंधित कॉलेजों से हटाया गया है, उन विषयों के कार्यरत शिक्षकों को अब आवश्यकता के अनुसार अन्य कॉलेजों में स्थानांतरित किया जाएगा।

डोरंडा कॉलेज में उर्दू शिक्षक नहींः बैठक में डोरंडा कॉलेज की स्थिति की भी चर्चा हुई। यहां उर्दू विषय में विद्यार्थी तो हैं, लेकिन एक भी शिक्षक उपलब्ध नहीं है। छात्र-शिक्षक अनुपात की रिपोर्ट मिलने के बाद विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसे विषयों में शिक्षकों की उपलब्धता और तैनाती को लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर रांची में विशेष सफाई अभियान, तीन शिफ्ट में होगी सफाई

संवाददाता

रांचीः स्वतंत्रता दिवस के राजकीय समारोह को लेकर रांची नगर निगम ने शहर में विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया है। गुरुवार को अपर नगर आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। इसके तहत मोरहाबादी मैदान स्थित मुख्य समारोह स्थल के अलावा समारोह स्थल तक जाने वाले संपर्क पथों, शहीद चौक, परमवीर अलबर्ट एक्का चौक, बिरसा चौक और बिरसा मुंडा समाधि स्थल समेत शहर के प्रमुख क्षेत्रों में तीन शिफ्टों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा।

प्रमुख मार्गों के गड्ढों का होगा समतलीकरणः बैठक में शहर के प्रमुख मार्गों पर मौजूद गड्ढों का समतलीकरण कराने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही मॉड्यूलर टॉयलेट की विशेष सफाई कराने को कहा गया, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

महापुरुषों की प्रतिमाओं की भी होगी सफाईः अपर नगर आयुक्त ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं की विशेष सफाई कराने का भी निर्देश दिया। नगर निगम की टीम समारोह से पहले प्रमुख स्थानों की साफ-सफाई और आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटेगी।

झारखण्ड सरकार
कृषि एवं पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग),
कार्यालय, जिला कृषि पदाधिकारी, गुमला
संयुक्त जिला कृषि कार्यालय, करमटोली रोड, गुमला।

अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति (EOI)

गुमला जिला में चैनपुर, गुमला एवं बसिया प्रखंड मुख्यालय में एग्री क्लीनिक की स्थापना एवं संचालन हेतु अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति

वित्तीय वर्ष 2024–25 में राज्य योजनान्तर्गत एग्री क्लीनिक उपयोजना के कियान्वयन हेतु विभागीय स्वीकृत्यादेश संख्या 49 दिनांक 02.08.2024 के द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके आलोक में गुमला जिला के चैनपुर, गुमला एवं बसिया प्रखंड मुख्यालय में स्थित कृषि तकनीकी सूचना केन्द (ATIC) में एग्री क्लीनिक संचालन किया जाना है। एग्री क्लीनिक स्थापना का उद्देश्य किसानो को उचित परामर्श देकर कृषि उत्पादकता, किसानों की उपज एवं उनके आय में वृद्धि करना है। इस योजना अन्तर्गत मृदा स्वास्थ्य, मौसम पूर्वानुमान, पौधा संरक्षण एवं कृषि से संम्बद्ध अन्य विषयों पर किसानों को परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। किसानों को एग्री क्लीनिक के 12 सर्विसेस्स यथा – मृदा स्वास्थ कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, बीज, खाद कीटनाशी, सुक्ष्म सिंचाई, कृषि उपादानों के व्यापार हेतु अनुज्ञप्ति, कृषि उपकरण, खेती हेतु सलाह, झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना, सिंचाई सुविधा, कृषि विज्ञान केन्द्र, पशुपालन/डेयरी/मत्स्य पालन संबंधित योजनाएँ एवं कृषि उत्पादों के दर संबंधी सूचनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी।

इसी उद्देश्य से अनुभवी एवं इच्छुक एजेन्सी/संस्था/महिला समूह/स्वयं सहायता समूह/कृषक समूह/सहकारी समितियों/गैर सरकारी संस्थायें (NGOs) से दिनांक 05.09.2026 के अपराह्न 1.00 बजे तक इच्छा की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है, जिसे उसी दिन अपराह्न 3.00 बजे गठित समिति के समक्ष खोला जायेगा।

इच्छुक एजेन्सी/संस्था/महिला समूह/स्वयं सहायता समूह/कृषक समूह/सहकारी समितियों/गैर सरकारी संस्थायें (NGOs) इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित दस्तावेज कार्यालय अवधि मे जिला कृषि पदाधिकारी –सह–परियोजना निदेशक, आत्मा, गुमला के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं अथवा आत्मा, गुमला के वेबसाईट www.atmagumla.org से डाउनलोड भी कर सकते है।

PR 387477 (Agriculture) 26-27 (D) जिला कृषि पदाधिकारी, गुमला।

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, राँची

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं० 05/2026–27

1	विज्ञापन दाता का पदनाम:-	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, राँची।
2	परिमाण विपत्र विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय तक:-	दिनांक 31.08.2026 अपराह्न 4.00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:	दिनांक 01.09.2026 अपराह्न 3.30 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय :-	दिनांक 01.09.2026 को अपराह्न 4.00 बजे से।
5	परिमाण विपत्र विक्रय का स्थान:-	(1) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, डोरण्डा, राँची–02। (2) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, डोरण्डा, राँची–02।
6	निविदा खोलने का स्थान:-	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, डोरण्डा, राँची–02।
7	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता:-	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, डोरण्डा, राँची–02।
8	कार्य की विस्तृत विवरणी	

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Special Renovation of Qtr. No. E/8 at New PHED Colony, Hinoo under D.W.& S Sub-Division No. 04, Hatia Project, Ranchi	4,96,465.00	10,000/-	750/-	30 दिन
2	Special Renovation of Qtr. No. E/9 at New PHED Colony, Hinoo under D.W.& S Sub-Division No. 04, Hatia Project, Ranchi	4,95,564.00	10,000/-	750/-	30 दिन
3	Special Renovation of Qtr. No. E/12 at New PHED Colony, Hinoo under D.W.& S Sub-Division No. 04, Hatia Project, Ranchi	3,58,074.00	7,500/-	750/-	30 दिन

विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय से सम्पर्क करें या विभागीय वेबसाईट:–http//:daa.jharkhand.gov.in पर देखें। प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन राशि भी देय होगी है।

कार्यपालक अभियंता,
PR.NO.387496 Drinking Water and Sanitation(26-27):D पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, राँची।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

साइबर अपराधियों का शिकंजा

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में ह्यडिजिटल अरेस्टह्ल को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है। इसमें कई अपराधी तो ऐसे हैं जिन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा तक नहीं ली है। लेकिन वे पूरे देश में सीधे-सादे लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। बीते साल तीन सौ से अधिक संदिग्धों की गिरफ्तारी के बावजूद साइबर अपराधियों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। बड़े पैमाने पर की गई सख्त कार्रवाई से भी अपराधियों में किसी तरह का भय न होना बताता है कि इस तरह के अपराधियों से निबटने के लिये असरदार जवाबी रणनीति बनाने की जरूरत है। जिसके अंतर्गत अपराधियों के लिये सख्त सजा का प्रावधान हो। अब यह धारणा बन रही है कि डेटा आधारित व्यवस्था में साइबर जोखिमों से बचना कठिन है। लेकिन फिर भी साइबर अपराधों से बचने के लिये सामूहिक संकल्प के साथ बड़े पैमाने पर जागरूकता, तकनीक आधारित सटीक संस्थागत मदद कारगर हो सकती है।

जिंदगियां बचाने के लिए

हाल ही में लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े जो आंकड़े पेश किए गए वे विचलित करने वाले हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते साल सड़क दुर्घटनाओं में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान अप्रत्याशित रूप से हुए 5.13 लाख से अधिक सड़क हादसों में 1.83 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। इन हादसों में घायल होने वालों का आंकड़ा कितना बड़ा होगा, निष्कर्ष निकालना कठिन न होगा। निश्चिय ही यह बेहद चिंताजनक विरोधाभास है कि जिस देश में हर दिन सड़क हादसों में पांच सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मृत्यु हो जाती है, वहां आधे से अधिक पंजीकृत मोटर वाहन बिना जरूरी बीमा के चल रहे हैं। यह प्रतिशत 56 बताया जाता है। नागरिक स्तर पर तो यह एक आपराधिक लापरवाही है ही, बीमा न कराने का स्तर मोटर वाहन अधिनियम को लागू करने में बड़ी खामी को भी दशार्ता है। यह सुखद है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या को बेहद गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट आजमाने को कहा है, जिसके तहत वैध बीमा न होने वाले वाहन चालक को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से मना किया जा सकता है। बहुत संभव है इस योजना के क्रियान्वयन से बहुत सारे वाहन चालक वाहन बीमा कराने को बाध्य हो जाएं। निश्चित रूप से थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस सिर्फ एक कानूनी जरूरत भर नहीं है। वास्तव में यह नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य यह निश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों और उनके परिवारों को सालों तक अदालतों के चक्कर काटे बिना समय पर जरूरी मुआवजा मिल सके। यह सर्वविदित सत्य है कि जब लाखों गाड़ियां बिना बीमे के चलती हैं तो इन दुर्घटनाओं का बोझ हादसे के पीड़ितों और उनके परिजनों पर पड़ता है। जिसके चलते इनमें से कई लोग सड़क दुर्घटनाओं के शारीरिक और आर्थिक प्रभावों से उबरने के लिए संघर्ष करते रहते हैं। दरअसल, हाल ही में कोर्ट ने अपने एक फैसले में एक सड़क दुर्घटना में स्थायी से रूप से विकलांग हुए एक बच्चे को मिलने वाले मुआवजे की रकम को लगभग दुगुना कर दिया था। कोर्ट की संवेदनशील पहल नीति-नियंताओं के लिये आंख खोलने वाली साबित होनी चाहिए। इस दिशा में कोर्ट का सरकार को यह सुझाव कि ईंधन की खरीद को इंश्योरेंस कराने से जोड़ा जाए, एक असरदार तरीका साबित हो सकता है। सही मायने में पेट्रोल पंप असल चेकपॉइंट का काम करते हैं। लोग अपने वाहनों में पेट्रोल व डीजल डलवाने के लिये नियमित रूप से फ्यूल स्टेशनों पर जाते हैं। वाहन डेटाबेस और इंश्योरेंस रिकॉर्ड से जुड़े ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन यानी एएनपीआर कैमरों का प्रस्तावित इस्तेमाल भी प्रशासन में तकनीक की बढ़ती भूमिका को दशार्ता है। यदि इस व्यवस्था को सही ढंग से लागू किया जाए तो यह सिस्टम बिना बीमे वाले तथा बिना पंजीकृत वाहनों की पहचान करके उन पर अंकुश लगा सकता है। जो मैन्युअल जांच और इससे जुड़े भ्रष्टाचार को भी कम कर सकता है। वैसे इस कोशिश की भी अपनी कुछ सीमाएं हैं। तकनीकी व्यवधान, पुराने डेटाबेस और हाल ही में रिन्यू की गई इंश्योरेंस पॉलिसी को अपडेट करने में देरी से भी कानून का पालन करने वाले नागरिकों को परेशानी हो सकती है। इसके लिये जहां नागरिकों को जागरूक करने की जरूरत है, वहीं पेट्रोल पंप ऑपरेटरों के संगठनों को साथ लेना भी बहुत जरूरी है।

सत्ता-विपक्ष के द्वंद्व में फंसा लोकतंत्र

संसद के मानसून सत्र में बीते दो हफ्ते की तरह तीसरे सप्ताह की कार्यवाही के दौरान भी जिस तरह हंगामे के बीच बिना बहस के विधेयक पारित हो रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र में विधायी कार्य और जवाबदेही का गहराता संकट पैदा करता नजर आ रहा है। यह सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के पास अपनी जिम्मेदारी निभाने का आखिरी अवसर है।

ओ.पी. पाल

भारतीय लोकतंत्र का सबसे पवित्र मंदिर 'संसद' जनता की समस्याओं, राष्ट्रीय नीतियों और भावी कानूनों पर तर्कसंगत बहस का केंद्र माना जाता है। मसलन संसद केवल कानून बनाने की मशीन नहीं है बल्कि यह देश की सामूहिक चेतना और आकांक्षाओं का दर्पण है। लेकिन संसद के वर्तमान मानसून सत्र में जो दृश्य सामने आ रहा है, वह विधायी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। सत्र के पहले ही दिन से विपक्षी दलों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व राजनीतिक मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में जोरदार हंगामा किया जा रहा है। सदन के भीतर नारेबाजी और वेल (सदन के बीचोंबीच) में आकर तख्तियां दिखाने से लेकर संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा से लेकर नए भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन विपक्ष की रोजाना की दिनचर्या देखी जा रही है। यह भारतीय लोकतंत्र और जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही की दृष्टि से शुभ संकेत नहीं है।

संसद के मानसून सत्र में बीते दो हफ्ते की तरह तीसरे सप्ताह की कार्यवाही के दौरान भी जिस तरह हंगामे के बीच बिना बहस के विधेयक पारित हो रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र में विधायी कार्य और जवाबदेही का गहराता संकट पैदा करता नजर आ रहा है। यह सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के पास अपनी जिम्मेदारी निभाने का आखिरी अवसर है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है लेकिन असहमति को प्रकट करने का जरिया 'संसदीय संवाद' होना चाहिए, 'संसदीय गतिरोध' नहीं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि दोनों पक्ष अपनी राजनीतिक रणनीतियों से ऊपर उठकर देश के विधायी और लोकतांत्रिक हितों को प्राथमिकता दें। शुरूआती दो हफ्तों में हंगामे और लगातार होते स्थगन के कारण दोनों सदनों में कोई ठोस कामकाज नहीं हो सका। यद्यपि सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर नियम-नियमावली के तहत चर्चा कराने को तैयार है, वहीं विपक्ष का कहना है कि उनकी प्राथमिक मांगों पर तुरंत और बिना शर्त बहस कराई जाए। इस गतिरोध के बीच सबसे बड़ा नुकसान देश के उस विधायी ढांचे का हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों को सौंपी गई है।

संसद में विपक्ष की ओर से जारी व्यवधान के बीच केंद्र सरकार ने भी विधायी कामकाज निपटाने के लिए एक आक्रामक और व्यावहारिक रणनीति अपनाई है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह हंगामे के कारण विधायी एजेंडे को रुकने नहीं देगी। नतीजतन, शोर-शराबे और तख्तियों की आड़ में ही कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के दोनों सदनों से पारित कराए जा चुके हैं। पीठासीन अधिकारियों (लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति) द्वारा बार-बार सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने और बिलों पर चर्चा में भाग लेने की अपील की गई। इसके बावजूद, जब विपक्षी दल चर्चा में शामिल होने के बजाय वाकआउट (सदन का बहिष्कार) करने या नारेबाजी जारी रखने का विकल्प चुनते हैं तो सरकार ध्वनिमत के जरिए विधेयकों को पारित करवा लेती है। कई विधेयकों पर सदन के दोनों सदनों की मुहर लग चुकी है, जो राष्ट्रपति की मुहर के बाद देश में कानून बनने की दहलीज पर जा चुके हैं। संसदीय कार्यप्रणाली के दृष्टिकोण से यह स्थिति चिंताजनक है। जब कोई विधेयक बिना बहस के कानून का रूप लेता है तो उसमें रह जाने वाली व्यावहारिक कमियों या खामियों पर विचार करने का अवसर समाप्त हो जाता है।

संसदीय लोकतंत्र में 'प्रश्नकाल' और 'शून्यकाल' ऐसे दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जिनके माध्यम से संसद सदस्य (चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के) सीधे सरकार और उसके मंत्रियों की जवाबदेही तय करते हैं। प्रश्नकाल के दौरान सांसद अपने क्षेत्रों की समस्याओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े तारांकित और अतारांकित प्रश्न पूछते हैं। चालू मानसून सत्र में लगातार व्यवधान के कारण अधिकांश दिनों में प्रश्नकाल शुरू होते ही स्थगित करना पड़ा या शोर-शराबे में डूब गया। इससे मंत्रियों से सीधे तीखे सवाल पूछने का जनता का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से छीन गया। वहीं, शून्यकाल वह समय होता है जब सांसद बिना किसी पूर्व सूचना के लोक महत्व के अविलंबनीय मुद्दों को उठाते हैं। सदन के लगातार बाधित रहने से न तो देश के ज्वलंत मुद्दों पर बात हो पा रही है और न ही दूरदराज के क्षेत्रों के आम नागरिकों की आवाज दिल्ली तक पहुंच पा रही है। इस मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं को साधने में लगे हैं लेकिन इसका खामियाजा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भुगतना पड़ रहा है। शायद विपक्ष की रणनीति मुख्य रूप से सरकार को राजनीतिक रूप से बैकफुट पर धकेलने की है। विपक्ष का तर्क है कि जबतक उनकी प्राथमिक मांगों ज्वलंत सामाजिक, आर्थिक या जांच से जुड़े मुद्दों पर पहले चर्चा नहीं होती, तब तक सामान्य कामकाज नहीं चलने दिया जाएगा। हालांकि, इस रणनीति के कारण विपक्ष उस मंच को खुद ही खो देता है जहाँ वह सरकार की नीतियों की धज्जियां उड़ा सकता था। सदन से वाकआउट करने का सीधा अर्थ है, सरकार को बिना किसी विरोध के बिल पास कराने का 'वॉकओवर' दे देना। वहीं, सरकार की रणनीति यह दिखाने की है कि वह देश के विकास और विधायी कार्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। सरकार का तर्क है कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से दूर भाग रहा है। विपक्ष के बहिष्कार का लाभ उठाते हुए सरकार अपने प्रमुख और दूरगामी असर वाले कानूनों को तेजी से पारित करवा रही है। हालांकि, बिना बहस के बिल पास कराने से भले ही सरकार का लक्ष्य पूरा हो जाए लेकिन उन कानूनों की नैतिक स्वीकार्यता पर सवाल खड़े होते हैं। संसदीय व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका केवल विरोध करने की नहीं बल्कि 'सकारात्मक आलोचक' की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद में इसलिए चुनकर भेजती है ताकि वे उनकी समस्याओं को उठाएं और बनने वाले कानूनों पर गहराई से मंथन करें। जब विपक्षी सांसद चर्चा का बहिष्कार करते हैं तो वे विधेयकों में जनहित से जुड़े संशोधन पेश करने के अपने अधिकार का प्रयोग नहीं कर पाते। संसद को चलाने में देश के करदाताओं का करोड़ों रुपया प्रति घंटे खर्च होता है। सत्र का हंगामे में धुल जाना वित्तीय और समय दोनों की भारी बबार्दी है। तख्तियां लहराना, कागज फाड़कर फेंकना और पीठासीन अधिकारी के सामने नारेबाजी संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचाता है। ऐसे में विपक्ष को यह समझना होगा कि सरकार को घेरने का सबसे सशक्त माध्यम 'सदन का स्थगन' नहीं, बल्कि 'सदन के भीतर अकाट्य तर्कों के साथ बहस' करना है।

विभाजन की विभीषिका और फिल्मी गीतों में रोता हिन्दुस्तान

उनके घर छूटे, गाँव छूटे, खेत-खलिहान छूटे, रिश्ते छूटे और सबसे बढ़कर वह मिट्टी छूट गई जिसे लोग अपना देश, अपना वतन कहते थे। विभाजन की त्रासदी को इतिहास की पुस्तकों में आंकड़ों, घटनाओं और राजनीतिक निर्णयों के माध्यम से पढ़ा जा सकता है; लेकिन उसकी मानवीय पीड़ा को समझने के लिए साहित्य, कविता, कहानी और सिनेमा की ओर देखना पड़ता है।

कैलाश चन्द्र

भारत का विभाजन केवल भूगोल का विभाजन नहीं था। 1947 में एक राजनीतिक सीमा खींची गई, लेकिन उसके साथ करोड़ों मनुष्यों के जीवन, परिवार, स्मृतियों और संबंधों पर भी एक ऐसी रेखा खिंच गई जिसकी पीड़ा पीढ़ियों तक बनी रही। अभी भी हजारों परिवारों में वो कसक शेष है। उनके घर छूटे, गाँव छूटे, खेत-खलिहान छूटे, रिश्ते छूटे और सबसे बढ़कर वह मिट्टी छूट गई जिसे लोग अपना देश, अपना वतन कहते थे। विभाजन की त्रासदी को इतिहास की पुस्तकों में आंकड़ों, घटनाओं और राजनीतिक निर्णयों के माध्यम से पढ़ा जा सकता है; लेकिन उसकी मानवीय पीड़ा को समझने के लिए साहित्य, कविता, कहानी और सिनेमा की ओर देखना पड़ता है। हिन्दी सिनेमा ने विभाजन को अनेक बार परदे पर उतारा और फिल्मी गीतों ने उस पीड़ा को ऐसी भावनात्मक भाषा दी, जिसे सुनकर आज भी विस्थापन की वेदना को अनुभूत किया जा सकता है। विभाजन के बाद बने भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा भले ही निश्चित हो गई, लेकिन स्मृतियों की कोई सीमा नहीं बनी। गीतों में बार-बार वही प्रश्न लौटता रहा–जिस घर को अपना समझकर जीवन बिताया, उसे अचानक पराया कैसे मान लें? स्वतंत्रता से पहले ह्यवतनह्ल शब्द का अर्थ था–अपनी धरती, अपना देश और स्वतंत्रता की आकांक्षा। लेकिन विभाजन के बाद ह्यवतनह्ल का एक नया अर्थ उभरा–वह जगह जहाँ मनुष्य का बचपन बीता था।अब वतन केवल भारत या पाकिस्तान नहीं था। किसी के लिए लाहौर वतन था, किसी के लिए अमृतसर, किसी के लिए रावलपिंडी, मुल्तान, पेशावर, ढाका या कराची। किसी के लिए वतन वह गांव था जहाँ पीढ़ियों से घर खड़ा था। यही कारण है कि विभाजन पर बने अनेक गीतों में राष्ट्र की तुलना में घर, मां, मिट्टी, गलियां, बचपन और बिछुड़े रिश्ते अधिक महत्वपूर्ण दिखाई देते हैं।विभाजन की सबसे बड़ी त्रासदी यही थी कि लाखों लोगों को यह निर्णय स्वयं नहीं लेना था कि उनका घर कहां होगा। सीमाओं ने उनके लिए तय कर दिया कि वे अब कहाँ के नागरिक हैं।

ह्यवतन की राह में वतन के नौजवान शहीद हो...ह्ल 1948 की फिल्म ह्यशहीदह्ल स्वतंत्रता के तुरंत बाद आई महत्वपूर्ण फिल्मों में थी। इसका गीत– ह्ल्वतन की राह में वतन के नौजवान शहीद हो...ह्ल यह स्वतंत्रता और बलिदान की भावना का गीत था। लेकिन 1947 के बाद ह्यवतनह्ल शब्द का भाव और भी जटिल हो गया था। स्वतंत्रता मिली थी, मगर उसी स्वतंत्रता की कीमत विभाजन और विस्थापन के रूप में भी सामने आई। एक ओर स्वतंत्रता का पर्व था, दूसरी ओर शरणार्थियों की बिलखती टोलियां। एक ओर अपना तिरंगा लहरा रहा था, दूसरी ओर अपने घरों से उजड़े लोग अपने भविष्य की तलाश में भटक रहे थे। यही भारतीय इतिहास का वह विरोधाभास है जिसे केवल राजनीतिक घटनाओं से नहीं समझा जा सकता। ऐ मेरे प्यारे वतन... विभाजन की पीड़ा को सीधे-सीधे व्यक्त करने वाले गीतों में फिल्म ह्यकाबुलीवालाह्ल (1961) का गीत ह्लऐ मेरे प्यारे वतन, तुझपे दिल कुर्बानह्ल अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह गीत वास्तव में अफगानिस्तान पूर्व का गांधार से दूर रह रहे एक व्यक्ति की मातृभूमि के प्रति भावनात्मक पुकार है। लेकिन विभाजन के बाद के भारतीय मानस ने इसमें अपने बिछड़े हुए वतन की पीड़ा भी महसूस की। जब कोई व्यक्ति अपनी जन्मभूमि से हजारों मील दूर हो जाता है, तो ह्यवतनह्ल भौगोलिक स्थान नहीं रहता–वह स्मृति बन जाता है।और स्मृति को कोई सीमा नहीं रोक सकती। यही कारण है कि यह गीत विभाजन की सामूहिक स्मृति के संदर्भ में भी मार्मिक प्रतीत होता है। साहिर लुधियानवी की कविता और फिल्मी गीतों में स्वतंत्रता के बाद के भारत की सामाजिक बेचैनी दिखाई देती है। ह्लवो सुबह कभी तो आएगी...ह्ल यह केवल भविष्य की आशा नहीं है; यह उस पीढ़ी की आकांक्षा है जिसने स्वतंत्रता देखी, लेकिन स्वतंत्रता के साथ गरीबी, विस्थापन, हिंसा और सामाजिक असमानता भी देखी। विभाजन के बाद करोड़ों लोगों के सामने एक नया जीवन शुरू करने की चुनौती थी। उनके लिए आजादी का अर्थ केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था; वह सुरक्षित घर, सम्मानजनक जीवन और अपनेपन की तलाश भी थी। इसलिए उस समय के गीतों में उत्सव के साथ-साथ उम्मीद और पीड़ा दोनों साथ चलते हैं। सिनेमा ने विभाजन की पीड़ा को केवल विस्थापितों की कहानी बनाकर नहीं छोड़ा। उसने स्वतंत्रता के बाद पैदा हुई सामाजिक विषमताओं पर भी प्रश्न उठाए।साहिर की रचनाओं में यह प्रश्न बार-बार दिखाई देता है कि यदि देश स्वतंत्र हो गया है तो क्या हर नागरिक स्वतंत्र, सुरक्षित और सम्मानित भी हुआ? यही प्रश्न ह्यप्यासाह्ल जैसे सिनेमा में दिखाई देता है। विभाजन के बाद का भारत केवल राष्ट्रनिर्माण का भारत नहीं था; वह अपने आपको (स्व, चित्ति) खोजता हुआ भारत भी था। ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है...ह्ल ह्यप्यासाह्ल (1957) का संसार सीधे विभाजन की कहानी नहीं कहता, लेकिन उसके भीतर युद्धोत्तर और विभाजनोत्तर समाज की बेचैनी सुनाई देती है। साहिर लुधियानवी की दृष्टि में मनुष्य की कीमत धन और सत्ता से बड़ी है।विभाजन ने मनुष्य को अचानक ह्यशरणार्थीह्ल, ह्यहिन्दूह्ल, ह्यमुस्लिमह्ल, ह्यसिखह्ल, ह्यभारतीयह्ल या ह्यपाकिस्तानीह्ल जैसी पहचान में बांट दिया था। लेकिन उसके पहले वह एक मनुष्य था–जिसका घर था, परिवार था, पड़ोसी थे और स्मृतियाँ थीं। विभाजन के गुनहगार कौन? क्या सिनेमा की कला एवं मनोरंजन की मानवीय दृष्टि इस मूल सत्य को बार-बार याद दिला सकी? ऐसे कुछ प्रश्न भी मन में चिरस्थायी है। फिल्म ह्यदिल अपना और प्रीत पराईह्ल (1960) का गीत–ह्लअजीब दास्तां है ये, कहाँ शुरू कहाँ खतम...ह्ल विभाजन पर लिखा गीत नहीं है, लेकिन इसके भाव विभाजन की कहानी को समझने में अद्भुत रूपक बन जाते हैं।विभाजन भी ऐसी ही एक ह्यअजीब दास्तानह्ल था।एक दिन तक जो पड़ोसी थे, वे अचानक दूसरी ओर के लोग हो गए। जो घर अपना था, वह पराया हो गया। जो मार्ग नित्य का था, वह सीमा के उस पार चला गया। और जिन रिश्तों को पीढ़ियों ने बनाया था, वे राजनीति के एक निर्णय से टूट गए। भारतीय सिनेमा में घर लौटने का भाव बार-बार आता है। लेकिन विभाजन की पीढ़ी के लिए घर लौटना हमेशा संभव नहीं था।कई लोगों के घर अब दूसरे देश में थे। कई घरों में दूसरे लोग बस चुके थे। कई घर जल चुके थे। कई घरों का केवल नाम बचा था।इसलिए फिल्मी गीतों में ह्यघरह्ल का भाव विभाजन के बाद विशेष रूप से मार्मिक बन जाता है। घर केवल चार दीवारें नहीं था। घर था–आंगन, नीम का पेड़, पड़ोसी, मंदिर-गुरुद्वारे, मठो की आवाजें, खेत, कुआं, स्कूल, बाजार और बचपन की स्मृतियां।

भगवान शिव व पार्वती के मिलन से जुड़ा पर्व

सावन की मनोहारी ऋतु में मनाया जाने वाला हरियाली तीज भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं, बल्कि प्रकृति, दांपत्य प्रेम, नारी-शक्ति और सामाजिक मेल-मिलाप का भी उत्सव है। हरियाली तीज का पर्व 15 अगस्त को मनाया जाएगा। यह पर्व श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पड़ता है। उदया तिथि के अनुसार इस वर्ष व्रत और पूजा 15 अगस्त को ही की जाएगी। हरियाली तीज का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक जन्मों तक कठोर तपस्या की थी। उनके अटूट संकल्प और भक्ति से प्रसन्न होकर

भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्द्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी पावन मिलन की स्मृति में हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन की मंगलकामना के लिए व्रत रखती हैं। वहीं, अविवाहित युवतियां योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए माता पार्वती की आराधना करती हैं। इस प्रकार यह पर्व प्रेम, समर्पण, धैर्य और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हरियाली तीज भारतीय लोकसंस्कृति का एक जीवंत उत्सव भी है। सावन की हरियाली और वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत इस पर्व के माध्यम से किया जाता है। गांवों और कस्बों में पेड़ों पर झूले डाले जाते हैं। महिलाएं हरे रंग के वस्त्र पहनती हैं, हाथों में मेहंदी रचाती हैं, सोलह-शृंगार करती हैं और पारंपरिक तीज गीत गाती हैं। यह पर्व परिवार और समाज को जोड़ने का भी अवसर बनता है। विवाहिता बेटियों को मायके बुलाने की परंपरा कई क्षेत्रों में आज भी निभाई जाती है। उन्हें वस्त्र, मिठाइयां, शृंगार सामग्री और उपहार दिए जाते हैं, जिन्हें कई स्थानों पर ह्यसिंधाराह्ल कहा जाता है। इस परंपरा के माध्यम से पारिवारिक रिश्तों में अपनापन और स्नेह बना रहता है। हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इनमें प्रमुख रूप से राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, दिल्ली और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। भारत के अलावा नेपाल के कुछ हिस्सों में भी तीज का पर्व अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। राजस्थान की राजधानी जयपुर की शाही तीज यात्रा (शाही सवारी) विश्वभर में प्रसिद्ध है, जहां माता तीज की भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। हरियाली तीज की शुरूआत प्रातः स्नान और पूजा की तैयारी से होती है। महिलाएं नए अथवा हरे रंग के वस्त्र धारण करती हैं। हाथों और पैरों में मेहंदी लगाई जाती है तथा सोलह शृंगार किया जाता है। पूजा स्थल पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा या चित्र स्थापित किए जाते हैं। उन्हें पुष्प, बेलपत्र, फल, मिठाई और शृंगार सामग्री अर्पित की जाती है। कई महिलाएं निर्जला अथवा फलाहार व्रत रखती हैं, हालांकि व्रत की विधि परिवार और परंपरा के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। पूजा के बाद आज महानगरों में भी हरियाली तीज का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न सामाजिक संस्थाएं, महिला मंडल और सांस्कृतिक संगठन तीज महोत्सव आयोजित करते हैं। इनमें मेहंदी प्रतियोगिता, लोकनृत्य, पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। डिजिटल युग में भी इस पर्व की आत्मा वही है–परिवार, परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान। साथ ही, अब पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी इस पर्व से जोड़ा जा रहा है। कई स्थानों पर तीज के अवसर पर पौधारोपण अभियान चलाए जाते हैं, जिससे ह्यहरियालीह्ल का वास्तविक अर्थ केवल प्रतीकात्मक न रहकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प भी बन सके। हरियाली तीज भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जिसमें धर्म, प्रकृति, प्रेम और पारिवारिक रिश्तों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। यह केवल व्रत और पूजा का दिन नहीं, बल्कि जीवन में धैर्य, समर्पण, विश्वास और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देने वाला उत्सव है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

श्रावणी मेला के 14 दिनों में बाबा बैद्यनाथ पर 28.33 लाख कांवरियों ने किया जलार्पण

संवाददाता

देवघर : मासव्यापी श्रावणी मेला के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब लगातार जारी है। मेला के 14 दिनों में 28 लाख 33 हजार 634 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण किया। इनमें बाह्य और आंतरिक अर्घा के माध्यम से जलार्पण करने वाले श्रद्धालु शामिल हैं। श्रावणी मेला से संबंधित पिछले सप्ताह की व्यवस्थाओं और उपलब्धियों को लेकर जिला प्रशासन की ओर से मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानियां और पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने मेला से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े और व्यवस्थाओं की जानकारी मीडिया के समक्ष साझा की। उपायुक्त ने बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं से विभिन्न मदों में 03 करोड़ 55 लाख 39 हजार 889 रुपये की आमदनी हुई है। इसके अलावा परिवहन विभाग की ओर से अन्य राज्यों में निर्बंधित

व्यावसायिक वाहनों से राज्य प्रवेश शुल्क के रूप में 38 लाख 77 हजार रुपये की प्राप्ति हुई है। उन्होंने बताया कि पेड़ा, सिंदूर सहित अन्य व्यवसायिक गतिविधियों से प्राप्त आय को जोड़ने पर संबंधित मदों से 02 करोड़ 03 लाख 71 हजार रुपये की प्राप्ति हुई है। वहीं अस्थायी विद्युत कनेक्शन से 55 लाख 29 हजार 810 रुपये की आमदनी हुई है। नगर निगम की ओर से भी श्रावणी मेला के दौरान विभिन्न मदों से 02 करोड़ 59 लाख 36 हजार रुपये की आय की जानकारी दी गई। इसमें अंतरराज्यीय बस पड़ाव, शौचालय सहित अन्य मदों से प्राप्त राजस्व शामिल है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी प्रवीण पुष्कर ने श्रावणी मेला के दौरान पुलिसिंग और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। व्यवस्था के दौरान सामने आई कमियों को भी चिन्हित कर उन्हें दूर करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम जलार्पण सुनिश्चित करना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

मौके पर स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने मेला के दौरान उनके विभाग की ओर से की गई व्यवस्थाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी। नगर आयुक्त सुलोचना मीणा ने नगर निगम द्वारा स्वच्छता, शौचालय, बस पड़ाव सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी साझा की।

मौके पर उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानियां, एसपी प्रवीण पुष्कर, डीडीसी पीयूष सिन्हा, डीपीआरओ रवि कुमार, नगर आयुक्त सुलोचना मीणा, डीपीआरओ राहुल भारती सहित जिला प्रशासन के कई वरीय पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

श्रावणी मेला के संचालन में अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका

देवघर : बाबा नगरी देवघर में आयोजित विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेला देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। लंबे समय तक चलने वाले इस ऐतिहासिक मेले का सफल और सुरक्षित संचालन जिला प्रशासन के लिए जितनी बड़ी जिम्मेदारी है, उतनी ही बड़ी चुनौती भी। दुम्मा बॉर्डर से देवघर शहर में प्रवेश तक लगभग 10 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ से लेकर बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर और पूरे शहरी क्षेत्र की विधि-व्यवस्था को दुरुस्त रखना आसान कार्य नहीं है। श्रावणी मेला के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु देवघर पहुंचते हैं। ऐसे में भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, कांवरियों की सुविधा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और सुगम जलार्पण सुनिश्चित करना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती होती है। इसके बावजूद जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार सेवा भाव के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। मेले की व्यवस्था एक बार की तैयारी से पूरी नहीं होती। प्रतिदिन बदलती परिस्थितियों के अनुसार नई चुनौतियां सामने आती हैं। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की शिकायतों एवं सुझावों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए व्यवस्था में आवश्यक सुधार करना भी प्रशासन की प्राथमिकता बनी हुई है। वर्तमान उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानियां, पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर और एसडीएम रवि कुमार सहित जिले के तमाम वरीय अधिकारी लगातार मेले की व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। खास बात यह है कि वर्तमान में डीसी, एसपी, डीडीसी और नगर आयुक्त सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर अधिकारी नए हैं। इसके बावजूद जिस उत्साह, गंभीरता और सेवा भावना के साथ वे मेले की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, उससे कहीं से भी यह महसूस नहीं होता कि उनके लिए यह पहली श्रावणी मेला है। एक ओर उपायुक्त लगातार पूरे मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं की निगरानी करते नजर आते हैं, तो दूसरी ओर एसपी प्रवीण पुष्कर और एसडीएम रवि कुमार सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू कराने में जुटे हैं। जरूरत पड़ने पर अधिकारी दिन के साथ रात में भी क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते और समस्याओं का समाधान करते दिखाई देते हैं।श्रावणी मेला की सफलता केवल किसी एक अधिकारी या विभाग की उपलब्धि नहीं है। जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, पुलिस बल, स्वास्थ्यकर्मी, नगर निगम के कर्मचारी, सफाईकर्मी,

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर अंतिम परेड रिहर्सल का डीसी और एसएसपी ने किया निरीक्षण

संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। गुरुवार को समारोह को लेकर परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया।

इस दौरान उपायुक्त राजीव रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ एहतेशाम वकारिब ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया। अंतिम पूर्वाभ्यास में जिला पुलिस बल की पुरुष एवं महिला टुकड़ियों के अलावा होमगार्ड की प्लाटून, चौकीदारों की पुरुष और महिला टुकड़ी, एनसीसी, रेंजर गर्ल्स, स्काउट एंड गाइड की दो प्लाटून तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पटमदा की बैंड पार्टी ने हिस्सा लिया। सभी टुकड़ियों ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परेड का अभ्यास किया। पूर्वाभ्यास के दौरान उपायुक्त ने मुख्य समारोह को गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित करने को

लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने समारोह स्थल पर सुरक्षा, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सिदगोड़ा टाउन हॉल में सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं देशभक्ति गीत, संगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से सांस्कृतिक संध्या को लेकर भी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। समारोह के दौरान निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और परेड सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन को लेकर गृह मंत्रालय की ओर से निर्धारित दिशा-निदेर्शों का भी पालन किया जाएगा। अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर पर संबंधित पदाधिकारियों की ओर से ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान और संबोधन का कार्यक्रम होगा। इसी तरह पंचायत मुख्यालय और ग्राम स्तर पर भी निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और संबोधन आयोजित किए जाएंगे। अंतिम पूर्वाभ्यास के दौरान उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान, जेएनएसी के नगर आयुक्त योगेन्द्र प्रसाद, नजारत उपसमाहर्ता डेविड बलिहार सहित जिला प्रशासन और पुलिस के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस का फुल ड्रेस रिहर्सल, डीसी-एसएसपी ने परखी तैयारी

धनबाद : स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से परेड और समारोह की तैयारियों का

निरीक्षण किया। इस दौरान सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, झारखंड सशस्त्र पुलिस बल-3, जिला सशस्त्र बल पुरुष एवं महिला, होमगार्ड, ग्रामीण पुलिस, एनसीसी, स्काउट एवं गाइड के प्लाटून ने हिस्सा लिया। इस दौरान राष्ट्रीय गीत ह्यवंदे मातरम्ह्ल के गायन के बाद उपायुक्त ने तिरंगा फहराया। इसके बाद स्कूली बच्चों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। रिहर्सल के दौरान किड्स गार्डन स्कूल झरिया की छात्राओं ने बैंड, सरस्वती शिशु मंदिर कतरास की छात्राओं ने राष्ट्रगान और पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय झरिया की छात्राओं ने बैंड डिस्प्ले प्रस्तुत किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को समयबद्ध और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सुरक्षा, यातायात, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, मंच सज्जा और अतिथियों के स्वागत की तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिया। एसएसपी ने पुलिस और यातायात कर्मियों को समारोह के दौरान भीड़ और अव्यवस्था रोकने एवं आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। 15 अगस्त को रणधीर वर्मा स्टेडियम में सुबह 09 बजे उपायुक्त झंडोत्तोलन करेंगे। इसके बाद विभिन्न सरकारी कार्यालयों में निर्धारित समय पर ध्वजारोहण होगा।

भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल हुए अर्जुन मुंडा

खूंटी : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति के रंग में रंगे खूंटी शहर में गुरुवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की अगुवाई में आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, भाजपा कार्यकर्ता और स्कूली बच्चे शामिल हुए। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ खूंटी क्लब से हुआ। आकर्षक ड्रमसेट और विभिन्न वाद्ययंत्रों की देशभक्ति धुनों के बीच हाथों में तिरंगा लेकर लोगों ने उत्साहपूर्वक यात्रा में भाग लिया। यात्रा नेताजी चौक, मेन रोड होते हुए भगत सिंह चौक पहुंची। इसके बाद डाक बंगला रोड से गुजरते हुए यात्रा पुनः खूंटी क्लब पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान पूरा शहर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। प्रतिभागियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की भागीदारी ने यात्रा को विशेष आकर्षण प्रदान किया। तिरंगा यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद कुमार, मनोज कुमार, ज्योतिष भगत, कृष्णानंद तिवारी, निखिल कंडुलना, लव चौधरी, मुकेश जायसवाल, राजेश्वर गुप्ता सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अन्य लोग उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर अंतिम पूर्वाभ्यास, डीसी-एसपी ने लिया तैयारियों का जायजा

एजेंसी

खूंटी : स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर कचहरी मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। गुरुवार को उपायुक्त मो जावेद हुसैन और पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने कचहरी मैदान पहुंचकर स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंतिम पूर्वाभ्यास में हिस्सा लिया और तैयारियों का संयुक्त रूप से जायजा लिया। इस दौरान ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत और परेड निरीक्षण सहित विभिन्न कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास किया गया। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद उपायुक्त ने ध्वजारोहण किया। मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं स्कूली बच्चों ने राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। पूर्वाभ्यास के दौरान उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने परेड में शामिल विभिन्न प्लाटून के जवानों एवं स्कूली बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रतिभागियों से स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में पूरे उत्साह, उमंग, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ परेड में हिस्सा लेने का आह्वान किया। उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, मंच, परेड और अन्य आवश्यक तैयारियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने एवं समारोह के दौरान आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिया।

बताया गया कि 15 अगस्त को जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में सुबह 08 बजे से ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं, कचहरी मैदान में सुबह 09 बजे से स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह होगा।

मुख्य कार्यक्रम में ध्वजारोहण, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, परेड निरीक्षण समेत अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

परिसीमन के तहत आदिवासी सीटें घटेंगी तो होगा उलगुलान : बंधु

संवाददाता

पलामू : लोकसभा और विधानसभा परिसीमन के मुद्दे को लेकर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की इन दिनों पूरे झारखंड के अलग अलग जिलों का दौरा कर रहे हैं। गुरूवार को पलामू प्रमंडल के दौरे के क्रम में मेदिनीनगर पहुंचे, जहां उन्होंने आदिवासी समाज के लोग और विभिन्न आदिवासी संगठनों के नेताओं से मुलाकात कर परिसीमन के मुद्दे पर चर्चा की। बैठक के दौरान आदिवासी बहुल क्षेत्रों में परिसीमन के संभावित प्रभाव और आरक्षित सीटों की संख्या घटने की आशंका को लेकर चिंता व्यक्त की गई। उन्होंने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार की ओर से परिसीमन प्रक्रिया कराए जाने से कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते आदिवासियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या कम न की जाए। खबरों के अनुसार, प्रस्तावित परिसीमन के तहत छह से सात सीटें कम की जा रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सही नहीं है और इस पर आदिवासी चुप नहीं बैठेंगे। विभिन्न आदिवासी संगठनों के संयुक्त बैनर तले रांची के मोराबादी मैदान में जुलूस और आंदोलन आयोजित करने की जानकारी दी गई। बैठक में पलामू के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को आंदोलन की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया और अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया। बंधु तिर्की ने सुझाव दिया कि जेएसएससी-सीजीएल के जरिए नौकरी करने वाले अधिकारियों का वेतन रोक दी जाए और जांच पूरी होने तक उन्हें ड्यूटी करने से रोका जाए। उन्होंने कहा कि जांच के बाद दोषी अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया जाए, जबकि निर्दोष अधिकारियों को वापस नौकरी पर रखा जाए।

जमशेदपुर में तीसरी सोमवारी पर निकलेगी जलाभिषेक यात्रा, काशी की तर्ज पर होगी महाआरती

पूर्वी सिंहभूम : सूर्य मंदिर समिति सिदगोड़ा की ओर से 17 अगस्त को तृतीय सोमवारी पर आयोजित होने वाली सामूहिक जलाभिषेक यात्रा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर प्रबंधन समिति ने इस वर्ष 11 से 15 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई है। गुरुवार को भालूबासा स्थित एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, महासचिव अखिलेश चौधरी, मीडिया प्रभारी प्रेम झा, प्रमोद मिश्रा, वरिष्ठ सदस्य कुलवंत सिंह बंटी और चंद्रगुप्त सिंह ने तैयारियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सोमवार की सुबह सात बजे श्रद्धालु बारीडीह हरि मंदिर मैदान में जुटेंगे, जहां सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा के पवित्र जल से संकल्प और पूजन के बाद सूर्य मंदिर के लिए जलाभिषेक यात्रा निकलेगी। यात्रा में भजन, भक्तिमय संगीत, आकर्षक झांकियां और पुष्पवर्षा मुख्य आकर्षण होंगे।

महापौर के नेतृत्व में विशेष सफाई अभियान में तालाब की हुई सफाई

संवाददाता

देवघर : श्रावणी मेला के बीच बाबा नगरी को स्वच्छ नकएर सुंदर बनाए रखने को लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में देवघर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-7 स्थित मंगल तालाब में महापौर रवि राउत के नेतृत्व में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तालाब और उसके आसपास के परिसर को गंदगी से मुक्त कराया गया। श्रावणी मेला के दौरान देवघर में लाखों श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। ऐसे में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर निगम के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। मंदिर के आसपास जलजमाव,

गंदगी और सफाईकर्मियों की संख्या को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे हैं। इसी को देखते हुए नगर निगम द्वारा सफाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की दिशा में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान महापौर रवि राउत के साथ नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, स्थानीय पार्षद सहित नगर निगम के पदाधिकारी और कर्मियों ने श्रमदान किया। इस दौरान मंगल तालाब और आसपास के क्षेत्र में जमा कचरे और गंदगी को हटाया गया। मौके पर महापौर रवि राउत ने कहा कि जलस्रोतों को स्वच्छ रखना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सफाई मित्रों ने एकजुट होकर जिस तरह श्रमदान किया है, उससे यह संदेश जाता है कि सामूहिक प्रयास से देवघर का हर कोना स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल एक दिन सफाई करना नहीं है, बल्कि लोगों को अपने आसपास के जलस्रोतों, पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी है। शहर को स्वच्छ रखने के लिए नागरिकों की भागीदारी बेहद जरूरी है।

मूसलाधार बारिश से सारंडा में बोकना पुल डूबा, कई इलाकों में घरों में घुसा पानी

संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के सारंडा क्षेत्र में बुधवार देर रात से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। गुवा, बड़ाजामदा, नोवामुंडी, किरीबुरू और आसपास के इलाकों में लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। निचले इलाकों में पानी भरने के साथ ही सड़क और पुलों पर भी बारिश का असर दिखाई देने लगा है। गुवा में पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप स्थित बोकना पुल के ऊपर से पानी बहने लगा है। जलस्तर बढ़ने के कारण पुल से होकर गुवा-बड़ाजामदा मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया है। बोकना पुल डूबने के बाद लोगों को हाथी चौक होकर जाने वाले वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। बोकना पुल वाला रास्ता अपेक्षाकृत छोटा होने के कारण सामान्य दिनों में लोग इसी मार्ग से बड़ाजामदा जाते हैं, लेकिन पुल पर पानी चढ़ जाने से करीब तीन किलोमीटर

अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इधर, बड़ाजामदा और नोवामुंडी के बीच मुख्य सड़क के भट्टीसाई इलाके में भी भारी मात्रा में पानी जमा हो गया है। सड़क पर जलजमाव के कारण छोटे वाहनों और दोपहिया चालकों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। कई स्थानों पर बारिश का पानी सड़क के किनारे और निचले हिस्सों में जमा होने से यातायात प्रभावित हुआ है। बड़ाजामदा के कई निचले इलाकों में स्थिति और गंभीर हो गई है। बारिश का पानी कई घरों में प्रवेश कर गया, जिसके कारण लोगों को घरेलू सामान सुरक्षित स्थानों पर रखने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। जलभराव से परेशान कुछ परिवार सुरक्षा के मद्देनजर ऊंचे स्थानों की ओर चले गए हैं। लगातार बारिश जारी रहने से लोगों को आशंका है कि पानी का स्तर और बढ़ सकता है। बारिश का असर क्षेत्र की नदियों और नालों पर भी पड़ा है। कारो नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और नदी के उफान पर आने से आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। प्रशासन और स्थानीय स्तर पर लोगों को नदी, नालों और जलमग्न पुलों के पास नहीं जाने की सलाह दी जा रही है। लोगों से नदी में मछली पकड़ने और नहाने से भी पूरी तरह बचने की अपील की गई है। लगातार बारिश और जलभराव को देखते हुए प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने और बेहद जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी गई है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूलों में छुट्टी किए जाने की भी जानकारी है। जलभराव वाले इलाकों में विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सारंडा क्षेत्र के कई इलाकों में जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश के दौरान हर वर्ष जलजमाव की समस्या उत्पन्न होती है। लोगों ने नालियों और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ जलभराव से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो निचले इलाकों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 17 अगस्त से

आईओए ने दुनिया भर के खिलाड़ियों और प्रशंसकों का किया स्वागत

नई दिल्ली : भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए दुनिया भर के बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों का स्वागत किया है। विश्व के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को एक मंच पर लाने वाली यह चैंपियनशिप खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल है। इसके आयोजन के साथ भारत ने बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए खुद को एक भरोसेमंद और सक्षम देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आईओए ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि चैंपियनशिप की सफल मेजबानी भारत सरकार के निरंतर सहयोग और प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के खेल तंत्र को मजबूत करने तथा भारत को वैश्विक खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दशार्ती है। खेल बुनियादी ढांचे, खिलाड़ियों के विकास, उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में लगातार निवेश के माध्यम से भारत ने विश्व खेल मंच पर अपनी स्थिति मजबूत की है। भारत में इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी से न केवल देश की आयोजन क्षमता का प्रदर्शन होता है, बल्कि युवा पीढ़ी को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरणा मिलती है। साथ ही खिलाड़ियों और अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत तैयार होती है। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी.टी. उषा ने कहा, ह्लबीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 भारत की खेल यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। हमें विश्व के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों का नई दिल्ली में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। भारत

ने लगातार यह साबित किया है कि वह बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की उच्चतम मानकों के साथ मेजबानी करने में सक्षम है और यह चैंपियनशिप ओलंपिक आंदोलन तथा खेल के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। उन्होंने कहा, ह्लभारत में आयोजित होने वाला प्रत्येक बड़ा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन एक स्थायी विरासत तैयार करता है। यह हमारे खेल तंत्र को मजबूत करता है, युवाओं को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और हमारे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों तथा खेल प्रशासकों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोगों से सीखने और उनके साथ जुड़ने के अमूल्य अवसर प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि भारत आने वाला हर व्यक्ति यहां की गर्मजोशी, आतिथ्य, व्यावसायिकता और खेल के प्रति जुनून का अनुभव करेगा।ह्व

बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ), भारत सरकार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडिया और दर्शकों के लिए विश्व स्तरीय प्रतियोगिता और बेहतर अनुभव सुनिश्चित करना है।

आईओए ने कहा कि वह भारत सरकार, राष्ट्रीय खेल महासंघों, राज्य ओलंपिक संघों और अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों के साथ मिलकर भारत में और अधिक विश्व स्तरीय खेल आयोजनों को लाने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजन खिलाड़ियों, तकनीकी अधिकारियों, प्रशासकों, स्वयंसेवकों और खेल प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी के लिए नए अवसर पैदा करते हैं।

पी.वी. सिंधु करेंगी भारतीय चुनौती की अगुआई

घरेलू दर्शकों के सामने भारतीय दल से भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी.वी. सिंधु भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। मेजबान देश को उम्मीद है कि सिंधू सहित भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों और दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाकर शानदार प्रदर्शन करेंगे।

पति कबीर खान को 'द अलायंस' में इन्वेस्टेड देखना सरप्राइजिंग था

टेलीविजन होस्ट और अभिनेत्री मिनी माथुर ने वेब रियलिटी शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी अपने नाम की। अभिनेत्री ने हालिया बातचीत में अभिनेत्री की ये जीत उनके साथ-साथ पूरे परिवार के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं थी। अभिनेत्री ने बताया कि उनके ये काफी सरप्राइजिंग था कि पति-फिल्ममेकर कबीर खान इस शो के लिए इतना इमोशनली इन्वेस्टेड थे। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, ' 'द अलायंस' मेरे साथ-साथ परिवार के लिए भी बहुत बड़ी बात थी। क्योंकि उन्होंने कभी मुझसे ये उम्मीद नहीं की थी कि मैं अपने फोन, अपनों और डेली रूटीन के बिना शो की चुनौतियों को मैनेज कर पाऊंगी। जब मैं शो से वापस घर आई, तो मैं यह देखकर हैरान हो गई थी कि कबीर शो में कितना इन्वेस्टेड हो गया था। हर कंटेस्टेंट के हर मूव पर चर्चा करने के लिए फैमिली व्हॉट्सअप पर अनगिनत बातें होती थीं। मुझे सच में अपने करियर में कोई दूसरा प्रोजेक्ट याद नहीं है, जिसमें कबीर इतना इमोशनली इन्वेस्टेड हो। '

मिनी माथुर ने आगे कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि मेरे परिवार और पति को मुझ पर बहुत गर्व है। सच कहूं तो, सब कुछ अभी भी अजीब लगता है। मैं अभी घर से बाहर निकली ही थी और मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि बाहर लोग मेरे बारे में क्या कह रहे हैं। इस पूरे अनुभव ने मेरी पूरी जिंदगी को एक नई दिशा दी है।' शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी मिलने के बारे में मिनी माथुर ने कहा, 'मैंने इस गेम को बहुत अलग तरीके से खेला था। मुझे कभी भी चीखने, चिल्लाने, फालतू की पॉलिटिक्स करने या सबके काम में दखल देने की जरूरत नहीं पड़ी। मेरी सबसे बड़ी ताकत यह थी कि मुझे एरीना चैलेंज सच में पसंद आए। मैं बहुत कॉम्पिटिटिव इंसान हूं, और इसीलिए मैं इस रियलिटी शो में आई। मैंने अपना गेम खेलने पर फोकस किया, साथ ही हेडक्वार्टर के सारे ड्रामा को अपने पर्सनल मोरल कंपास के हिसाब से हैंडल किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने कभी किसी को अकेला नहीं किया, न ही मैं बेवजह झगड़ों में पड़ी। मेरी किसी से कोई बड़ी बहस भी नहीं हुई। जब भी मुझे लगा कि अपनी राय बताना जरूरी है, मैंने वैसा ही किया। '

रेमो डिसूजा की अगली एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी नुसरत भरुचा

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुई। सूत्र ने बताया, 'टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे। '

हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज़ हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में साथ काम किया था।

'ए फ्लाइंग जट्ट' के बाद फिर साथ आए टाइगर और रेमो

टाइगर श्रॉफ और रेमो डिसूजा की पिछली फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में टाइगर ने अमन ढिल्लों का किरदार निभाया था, जो एक रहस्यमयी घटना के बाद सुपरपावर्स हासिल कर सुपरहीरो बन जाता है और खलनायक राका से मुकाबला करता है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार नेथन जोन्स, के.के. मेनन, अमृता सिंह और गौरव पांडे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे। आने वाली इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आएंगे, जबकि नुसरत का किरदार भी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और रिलीज़ डेट को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

टाइगर और नुसरत के आगामी प्रोजेक्ट्स

टाइगर श्रॉफ हाल ही में निर्देशक ए. हर्षा की फिल्म 'बागी 4' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, हरनाज़ संधू, सोनम बाजवा और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी थे। वहीं नुसरत भरुचा की हालिया रिलीज़ कॉमेडी-थ्रिलर 'उफ्फ ये सियापा' थी, जिसमें उन्होंने सोहम शाह के साथ स्क्रीन शेयर की थी। रेमो डिसूजा, टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा की यह नई साझेदारी दर्शकों के लिए एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है। दमदार एक्शन, नई स्टारकास्ट और दिलचस्प कहानी के साथ यह फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है।

अनुपम खेर ने बोमन ईरानी का जताया आभार

अभिनेता अनुपम खेर की आगामी फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी चुकी है। अभिनेता अनुपम खेर ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए रैपअप की जानकारी दी। अभिनेता ने अपनी इस पोस्ट के जरिए अपने साथी-कलाकार बोमन ईरानी की जमकर सराहना की। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर रैप-अप पार्टी की वीडियो पोस्ट की। इसमें अभिनेता बोमन ईरानी को खास मित्र और साथ काम करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। अनुपम खेर ने लिखा, 'खुराना साहब की फिल्म रैप। मंगलवार रात मेरे दोस्त बोमन ईरानी की फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी हो गई है। एक ऐसे आदमी के बारे में क्या कहा जा सकता है, जिसके पास सब कुछ हो, टैलेंट, विनम्रता, उदारता, समझदारी और एक बड़ा दिल। '

अभिनेता अनुपम खेर ने फिल्म में अपने और बोमन ईरानी के बीच के रिश्ते को मजाकिया अंदाज में समझाते हुए लिखा, 'फिल्म में हमारा रिश्ता हमारे ऑफ-स्क्रीन रिश्ते से बिल्कुल अलग है। फिल्म में, वह डराने वाले, बेरहम और कभी न भूलने वाले खुराना साहब हैं। असल जिंदगी में, वह सबसे प्यारे, दयालु और सबसे उदार दोस्तों में से एक हैं, जिनकी कोई उम्मीद कर सकता है।' उन्होंने बोमन ईरानी की प्रशंसा करते हुए लिखा, 'बोमन के साथ काम करना मेरे लिए हमेशा शानदार अनुभव रहा है। सिनेमा की उनकी समझ, तैयारी, हर छोटी-छोटी बात पर उनका ध्यान और हर सीन को और बेहतर बनाने की उनकी काबिलियत कमाल की है। वहीं, टेक के बीच, फिल्मों, जिंदगी या वर्ल्ड बिल्डिंग या शतरंज के खेल पर बात कर रहे हों, उनके साथ हर पल खुशी से भरा था।' उन्होंने आगे लिखा, 'फिल्म 'खोसला का घोसला 2' स्केल, इमोशन और दांव के मामले पर बड़ा है और हां, खुराना साहब भी बड़े हैं। बोमन ईरानी आप आपने अपनी काबिलियत को स्क्रिन पर और अपनी दोस्ती को मेरी जिंदगी में लेकर आए, जिसके लिए आपका तहे दिल से धन्यवाद। आपके साथ फ्रेम शेयर करना हमेशा

मेरे लिए खुशी की बात होती है

प्रशांत बांगिया द्वारा निर्देशित फिल्म 'खोसला का घोसला 2' साल 2006 की चर्चित कल्ट कॉमेडी फिल्म 'खोसला का घोसला' का आगामी सीक्वल है। फिल्म में अनुपम खेर के अलावा, बोमन ईरानी, रणवीर शौरी, प्रवीण डबास, दिव्या खोसला, रवि किशन और किरण जुनेजा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

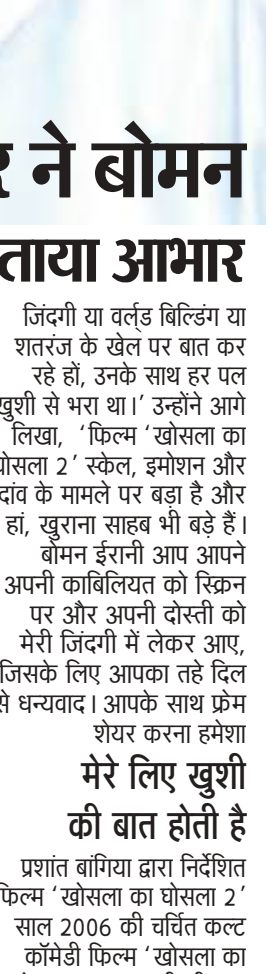

जिया शंकर ने की सगाई

लिखा-प्यार तब मिलता है जब आप...

अभिनेत्री जिया शंकर की सगाई हो गई है। 5 अगस्त को जिया ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करके यह खबर दी। उन्होंने अपने मंगेतर की भी तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक प्यारा सा कैप्शन लिखा है। इस मौके के लिए जिया ने हल्के पीले रंग का साटन गाउन पहना। उनके मंगेतर ने कढ़ाई वाली शर्ट और सफेद ट्राउजर पहनी। जिया ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि सूर्यास्त का समय है। एक तस्वीर में जिया की डायमंड सगाई की अंगूठी साफ दिख रही है। एक और तस्वीर में, वह अपने मंगेतर के साथ बगीचे में हाथ में हाथ डाले चल रही हैं। एक और तस्वीर में वह एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं।

सगाई की तस्वीरों के साथ जिया ने लिखा 'शायद यह सच है, प्यार तब मिलता है, जब आप इसकी सबसे कम उम्मीद करते हैं, लेकिन भगवान ने यहां सच में मेरे सब्र का इम्तिहान लिया। यह आसान नहीं था, लेकिन किसी तरह यह हो गया। आपके साथ हुई हर बातचीत, भले ही आप मुझसे हजारों मील दूर थे, घर जैसा एहसास देती थी। यह सफर आसान नहीं था लेकिन हमने हर दिन एक-दूसरे को चुना।'

इंतजार का मिला फल

उन्होंने यह भी लिखा, 'आपने मुझे वह प्यार दिया जिसका मैंने पूरी जिंदगी इंतजार किया। आपने मुझे मेरे सबसे मुश्किल दिनों में हंसाया। एयरपोर्ट पर विदाई के समय हर बार मुझे थोड़ा और कसकर गले लगाया, जैसे आपका दिल हजारों टुकड़ों में टूट रहा हो। हम दुनिया में कहीं भी हों, घर कोई जगह नहीं, बल्कि हमेशा आप ही रहे हैं।'

पाकिस्तान के कराची में 14 अगस्त के जश्न में डूबे लोगों ने चलाई गोली, महिला की मौत, कम से कम 94 लोग घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में 14 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के जश्न और आतिशबाजी के दौरान सिंध प्रांत की राजधानी कराची में हवा में हथियार (बंदूक और तमंचे) लहराए गए। गोलीबारी की गई। जगह-जगह हुई ऐसी घटनाओं में एक महिला की मौत हो गई और कम से कम 94 लोग घायल हो गए। एधी फाउंडेशन के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने शुक्रवार सुबह बताया कि घायलों में 10 महिलाएं और 17 बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल सेंटर सिविल अस्पताल और अब्बासी शहीद अस्पताल ले जाया गया।

द न्यूज, दुनिया न्यूज और जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आज सुबह अस्पतालों ने रात भर लाए गए घायलों का ब्योरा दिया। अब्बासी शहीद अस्पताल में 24 मरीज आए, जिनमें

एक महिला, चार बच्चे और 19 पुरुष शामिल हैं। जिन्ना अस्पताल में 35 लोग लाए गए, जिनमें तीन बच्चे, चार महिलाएं और 28 पुरुष हैं। सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में 26 मरीजों का इलाज किया गया। इनमें 10 बच्चे, चार महिलाएं और 12 पुरुष शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, लियारी, सदर, कोरंगी, मालिर, अजीजाबाद, नॉर्थ नाजिमाबाद, नाजिमाबाद, गुलबहार, गुलशन-ए-इकबाल, ओरंगी टाउन, जमशेद क्वार्टर्स और डिफेंस कालोनी में देश के स्वतंत्रता दिवस (14 अगस्त) के समारोह के दौरान लोगों ने हवाई फायरिंग की। पुलिस ने कहा कि कराची के पूर्वी, पश्चिमी और मध्य जिलों से इस संबंध में 30 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को ख्वाजा अजमेर नगरी, समनाबाद, रिजविया सोसाइटी और सर सैयद पुलिस थाना क्षेत्र गिरफ्तार किया गया। इनमें से कई के पास से हथियार भी बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि गोली लगने से घायल महिला की मौत अब्बासी शहीद अस्पताल में हो गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। वह महिला का चचेरा भाई है। हाल के वर्षों में कराची में स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान हवा में फायरिंग से कई बार लोग हताहत हुए हैं। 2025 में ऐसी ही घटनाओं में तीन लोगों की मौत हुई और कम से कम 75 लोग घायल हुए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान हवा में फायरिंग की घटनाओं में लगभग 95 लोग घायल हुए थे। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि जैसे ही घड़ी में रात के 12 बजे और 14 अगस्त की शुरूआत हुई, कराची के लोग 14 अगस्त 1947 को मिली आजादी की वर्षगांठ मनाने के लिए सड़कों और छतों पर पहुंच गए। जश्न के दौरान हवा में गोलीबारी की गई। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वतंत्रता दिवस पर देश को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी एक ₹ऐतिहासिक जीत₹ के साये में मुल्क के लिए कुर्बान लोगों को श्रद्धांजलि दे रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में स्वतंत्रता दिवस की खुशी में एक समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुल्क आज अपनी संस्थापक पीढ़ी की कुर्बानियों को याद करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लिए पानी की हर एक बूंद अति संवेदनशील मुद्दा है। अगर भारत ने पानी के मुद्दे पर गड़बड़ी की तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। शहबाज ने कहा कि उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता युवा पीढ़ी को विकास के नए मौके देना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर किया राष्ट्रीय भावना को सशक्त करने का आह्वान, सुभाषितम में कहा-पुरुषार्थ ही भाग्य निमार्ता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय भावना को सशक्त करने का आह्वान किया है। उन्होंने सुभाषितम् में कहा कि पुरुषार्थ ही भाग्य का निमार्ता होता है। प्रधानमंत्री ने आज सुबह एक्स पर लिखा, " विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर उन सभी देशवासियों का हृदय से नमन, जिन्होंने उस वीभत्स दौर से निकलकर देश की प्रगति में अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने अपने साहस और सामर्थ्य से दिखाया कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में भी संकल्पों को सिद्ध किया जाता है। आइए, सद्भावना और एकजुटता की राष्ट्रीय भावना को और सशक्त करें।" प्रधानमंत्री ने सुभाषितम् साझा किया, "उद्यमस्य प्रसादेन दृश्यन्ते विविधाः कलाः। कातरा एव जल्पन्ति यद् भाव्यं तद् भविष्यति॥" प्रधानमंत्री मोदी के एक्स हैंडल पर इसका अर्थ लिखा गया, " परिश्रम, उद्यम और पुरुषार्थ से ही विविध कलाएं, विज्ञान, तकनीकी कौशल, शिल्प तथा नवाचार विकसित होते हैं और सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसलिए, मनुष्य को भाग्य के भरोसे नहीं बैठना चाहिए, बल्कि साहस, कर्मठता और निरंतर प्रयास के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए, क्योंकि पुरुषार्थ ही भाग्य का निमार्ता है।"

मध्य प्रदेश के जबलपुर-रीवा, शहडोल-सागर में आज भारी बारिश का अलर्ट, भोपाल-इंदौर में हल्की बारिश के आसार

भोपाल : मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। शुक्रवार को जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। सागर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, कटनी, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में अगले 24 घंटे के दौरान 4 इंच या उससे ज्यादा बारिश हो सकती है। वहीं भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के कई जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, अलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, पांढुर्णा, रीवा, सतना, मैहर, उमरिया, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में बारिश का दौर जारी रह सकता है। विभाग के मुताबिक, 12 अगस्त की सुबह बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बना था, जो 13 अगस्त की सुबह डिप्रेशन में बदल गया। यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा में पश्चिम बंगाल और झारखंड की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से मानसून ट्रफ सक्रिय रहेगी। इसका असर मध्य प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक देखने को मिलेगा। खासकर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य प्रदेश में अब तक 524.8 मिमी यानी करीब 20.7 इंच बारिश हो चुकी है। सामान्य तौर पर इस अवधि तक 597 मिमी यानी करीब 23.5 इंच बारिश होनी चाहिए थी। इस हिसाब से प्रदेश में अब तक 12 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पूर्वी मध्य प्रदेश में सामान्य से करीब 20 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में 5 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में बारिश अब तक 19 प्रतिशत तक कम रही है। बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडौरी, जबलपुर, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पांढुर्णा, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ और उमरिया में सामान्य से 5 प्रतिशत से 53 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है। पश्चिमी हिस्से के आगर-मालवा, आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, दतिया, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, मुरैना, मंदसौर, नर्मदापुरम, नीमच, रायसेन, रतलाम, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, उज्जैन और विदिशा में सामान्य से 3 प्रतिशत से 47 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई है। भोपाल, गुना, सीहोर, राजगढ़, ग्वालियर, अनूपपुर, भिंड, बुरहानपुर, देवास, बड़वानी, खंडवा और खरगोन में अब तक सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है।

पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत से अधिक श्रद्धालुओं ने किए श्री रामलला के दर्शन

एजेंसी

अयोध्या : श्रावण मास में श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या धाम में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। देश के विभिन्न राज्यों एवं जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचकर श्री रामलला के दर्शन-पूजन के साथ ही प्रमुख मंदिरों में पूजा-अर्चना कर रहे हैं तथा भगवान शिव के मंदिरों में जलाभिषेक कर रहे हैं। श्रावण मास के दौरान अब तक 35 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर दर्शन-पूजन कर चुके हैं। इस वर्ष श्री रामलला के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 10 प्रतिशत से अधिक श्रद्धालुओं ने श्री रामलला के दर्शन किए हैं। प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को भी एक लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंच रहे हैं। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को लगभग 3 लाख श्रद्धालुओं ने अयोध्या पहुंचकर दर्शन-पूजन किया, जबकि द्वितीय सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर लगभग 6 लाख तक पहुंच गई। लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा, यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

पीपलकोटी सुरंग हादसा: छह श्रमिकों की मौत, 14 घायल,दो के फंसे होने की सूचना, बचाव अभियान जारी

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड के चमोली जिले में पीपलकोटी के पास मायापुर स्थित टीएचडीसी की निमार्णाधीन सुरंग में गुरुवार शाम पानी रिसने और भूस्खलन के बाद हुए हादसे में छह श्रमिकों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रात 11 बजे की रिपोर्ट के अनुसार, सुरंग में फंसे 22 श्रमिकों में से 20 को बाहर निकाल लिया गया है। इनमें छह की मौत हो गई, जबकि 14 घायल हैं। सुरंग में फंसे शेष लोगों की तलाश और सुरक्षित निकासी के लिए राहत एवं बचाव अभियान जारी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, फायर सर्विस और चिकित्सा दलों को तत्काल मौके पर भेजा गया। चमोली के जिलाधिकारी गौरव कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव अभियान की निगरानी की। टीएचडीसी की मशीनरी और मानव संसाधन को भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगाया गया है।

घायलों को जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति को देखते हुए बेस चिकित्सालय श्रीनगर और एम्स ऋषिकेश को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रशासन ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर गंभीर घायलों को उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देर रात राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सुरंग में फंसे प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और अभियान में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने रेस्क्यू किए गए श्रमिकों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित श्रमिकों और उनके परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने उपचार, दवाइयों, भोजन और आवास समेत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। धामी ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर गंभीर रूप से घायल श्रमिकों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से एम्स या अन्य उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजा जाए।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी चमोली से फोन पर बातचीत कर अभियान की प्रगति और चिकित्सा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। राज्य आपदा परिचालन केंद्र में हुई उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव विनोद कुमार सुमन और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने भी पीपलकोटी में सुरंग में पानी और मलबा आने की घटना पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सचिव, आपदा प्रबंधन से वार्ता कर घटनाक्रम और राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। राज्यपाल ने कहा कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन समेत सभी संबंधित एजेंसियां पूरी तत्परता से युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान में जुटी हैं। उन्होंने सुरंग में फंसे लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री धामी ने प्रभावित श्रमिकों के संबंध में झारखंड और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों से भी दूरभाष पर बातचीत की। उन्होंने दोनों राज्यों को राहत एवं बचाव अभियान की जानकारी देते हुए प्रभावित श्रमिकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया।

मप्र: मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज बड़वानी में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में होंगे शामिल

– जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम में जन शिकायतों के निराकरण की करेंगे समीक्षा

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को बड़वानी में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री यहां कलेक्टरेट सभागृह में आयोजित जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आम जनता की विभिन्न शिकायतों और आवेदनों के निराकरण की गहन समीक्षा करेंगे। इस संपूर्ण कार्यवाही का संचालन सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आम जनता की समस्याओं का शत-प्रतिशत समाधान करना, शासकीय

योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, निरंतर मॉनिटरिंग और लोक सेवाओं को निर्धारित समय-सीमा में प्रदान करना है। जनसम्पर्क अधिकारी प्रियंका रानी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोरलाय का निरीक्षण करेंगे। यहाँ वे जिले के पहले मैथ्स पार्क, आईसीटी लैब, अटल टिंकरिंग लैब और स्मार्ट क्लास का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। साथ ही, जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर में उद्यमियों, प्रगतिशील कृषको एवं जिले के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों से संवाद भी करेंगे।

प्रगतिशील कृषको से मुख्यमंत्री करेंगे चर्चा

संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिले में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील कृषकों से चर्चा करेंगे। साथ ही जिले में एचडीपीएस तकनीक से लगाये गये कपास की खेती, कस्टम हायरिंग सेंटर, एफपीओ, शासन की विभिन्न योजना से ऋण लेकर खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने वाले हितग्राही, दुग्ध उत्पादन, निमाड़ी गायो के संरक्षण, मछली बीज एवं मछली पालन पर किसानों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसान संगठनों के पदाधिकारियों से भी ई-टोकन व्यवस्था सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा करेंगे।

उद्यमियों से भी होगा संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव संवाद कार्यक्रम में जिले में खाद्य प्रसंस्करण एवं एग्रो इण्डस्ट्रीज, कपास एवं जिनिंग उद्योग, रिन्यूएबल उर्जा, वेस्ट मैनेजमेंट, इको फ्रेण्डली उत्पाद, विनिर्माण एवं नवाचार, स्टार्ट-अप के क्षेत्र में कार्य करने वाले सफल उद्यमियों से उनके कार्यक्षेत्र के संबंध में विस्तार से संवाद करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रातः 11.45 बजे इंदौर एयरपोर्ट पर आएंगे। यहां से वे 11.50 बजे हेलिकॉप्टर द्वारा बड़वानी के लिए रवाना होंगे। वे बड़वानी जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद शाम 5.35 बजे प्रस्थान कर इंदौर एयरपोर्ट आएंगे। यहां से वे शाम 6.20 बजे वायुयान द्वारा भोपाल के लिए रवाना होंगे।

कांवड़ लेकर क्षेमनाथ धाम पहुंचीं तमन्ना मलिक-बोलीं मैं इंसानियत के साथ खड़ी हूं

संभल : हरिद्वार से कांवड़ लेकर गुरुवार को जनपद संभल के क्षेमनाथ धाम पहुंचीं तमन्ना मलिक एक बार फिर सुर्खियों में हैं। तमन्ना ने बताया कि वह 06 अगस्त को हरिद्वार गई थीं और वहां से कांवड़ लेकर वापस लौटीं। उन्होंने डासना धाम में जलाभिषेक करने के बाद अब संभल के क्षेमनाथ धाम पहुंचकर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। तमन्ना ने कहा कि रास्ते में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। बताया कि यूपी पुलिस-प्रशासन और रास्ते में मिले लोगों ने उनका सहयोग और सम्मान किया। सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी और गिरफ्तारी के सवाल पर तमन्ना ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि वह ऐसे लोगों के बारे में कुछ नहीं कहना चाहतीं। बुर्के को लेकर पूछे गए सवाल पर तमन्ना ने कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से बुर्का उतारा है। उन्होंने संविधान का हवाला देते हुए कहा कि व्यक्ति को अपनी पसंद के कपड़े पहनने और अपनी आस्था के अनुसार चलने की आजादी है। अपने धर्म के सवाल पर तमन्ना ने कहा कि वह खुद को सबसे पहले इंसानियत के साथ मानती हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का बड़ा दावा- हमारी अनुमति के बिना कोई जहाज सुरक्षित नहीं गुजर सकता

तेहरान : ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। ईरान के मुख्य सैन्य कमान खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर्स ने गुरुवार को दावा किया कि ईरान की अनुमति और निगरानी के बिना कोई भी वाणिज्यिक जहाज या तेल टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से नहीं गुजर सकता। ईरानी सरकारी मीडिया आईआरआईबी के मुताबिक, सैन्य कमान के प्रवक्ता ने अमेरिका के उस दावे को खारिज किया जिसमें कहा गया था कि जहाज सामान्य रूप से इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजर रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि होर्मुज पर पहले की तरह ईरान का पूर्ण प्रबंधन और नियंत्रण है और किसी भी वाणिज्यिक जहाज को ईरानी सशस्त्र बलों की अनुमति और निगरानी के बिना सुरक्षित मार्ग नहीं मिल सकता। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने भी अमेरिका की रणनीति पर सवाल उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि खुफिया सूचनाओं की विफलता के कारण अमेरिका ने ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर गलत आकलन किया है। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी अमेरिका के आकलन को बड़ी भूल बताया। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को दावा किया कि अमेरिका का होर्मुज जलडमरूमध्य पर ह्लपूरा नियंत्रणह्व है और वह इसे बनाए रखने का इरादा रखता है। ट्रंप ने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को ह्लस्टील की दीवारह्व बताते हुए कहा कि ईरान इसे चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। वहीं, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी कहा कि अमेरिकी सेना के पास ईरान की नौसैनिक घेराबंदी को अनिश्चित काल तक बनाए रखने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर इस इलाके में जहाजों को बदला जा सकता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में चिप स्टॉक्स में आई तेजी के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,748.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 143.04 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की उछाल के साथ

26,588.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 53,752.99 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,833.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,674.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.23 प्रतिशत टूट कर 26,331.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.26 प्रतिशत लुढ़क कर 24,408.50 अंक के स्तर पर काम कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.45 प्रतिशत फिसल कर 5,694.77 अंक के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.02 प्रतिशत गिर कर 6,308.59 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,622.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत उछल कर 3,963.15 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में आज जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 290.50 अंक यानी 4.42 प्रतिशत की छलांग लगा कर 6,869.54 अंक के स्तर पर आ गया है। टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज के निक्केई इंडेक्स में भी आज जबरदस्त बढ़त बनी हुई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,172.94 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की उछाल के साथ 68,697 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 460.05 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 45,978.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.07 प्रतिशत उछल कर 25,457 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

खनिज संशोधन विधेयक का झामुमो जिला अध्यक्ष ने किया विरोध

साहिबगंज : झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा है कि लोकसभा में पारित खनिज एवं खनिज विकास संशोधन विधेयक को राज्य के अधिकारों और आदिवासी-मूलवासी हितों पर सीधा हमला है।जिला अध्यक्ष का कहना है कि इस विधेयक के लागू होने से झारखंड को खनिज संपदा से मिलने वाले अतिरिक्त राजस्व में भारी कमी आएगी जिसका सीधा असर राज्य में संचालित सामाजिक सुरक्षा और जन कल्याणकारी योजनाओं पर पड़ेगा।झारखंड देश के सबसे खनिज संपन्न राज्यों में से एक है।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर मुरी सिल्ली झारखंड समेत भारतवासियों को श्री अशोक कुमार मेहता, सिल्ली प्रखंड की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

निवेदक

सिल्ली प्रखंड खाद्य आपुर्ति पदाधिकारी

सिल्ली, रांची।

(अन्न की कीमत समझे)

80वें स्वतंत्रता दिवस पर मुरी सिल्ली समेत देशवासियों को मातृछाया नर्सिंग होम की ओर से शुभकामनाएं।

निवेदक

डॉ रेणु कुमारी

मातृछाया नर्सिंग होम

मुरी गोला रोड सिंगपुर।

(मातृ प्रसव की विषेश सुविधा)

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

आलोक रंजन चौधरी

थाना प्रभारी

प्रतापपुर (चतरा)

80वें स्वतंत्रता दिवस पर मुरी पूर्वी पंचायत के निवासियों समेत देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

लखी देवी
आनन्द मुंडा
छोटा मुरी, रांची।

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

फेयर माइंस कार्बन प्राइवेट लिमिटेड
पंडवा. पलामू

80वें स्वतंत्रता दिवस पर मुरी सिल्ली समेत देशवासियों को श्री मृत्यंजय महतो की ओर से हार्दिक शुभकामनाए

निवेदक

द विलेज रिसॉट एडं वैक्वेट

सोनाली लॉज।

(शादी-व्याह, मीटिंग, एवं रहने की एसी कंडीशनर युक्त सुविधा उपलब्ध।)

80वें स्वतंत्रता दिवस पर मुरी सिल्ली समेत देशवासियों को रुडसेट संस्थान, सिल्ली की ओर से शुभकामनाएं।

निवेदक

श्री सुदीप शिशिर एक्का

निदेशक
रुडसेट संस्थान
सिल्ली।

(बेरोजगार युवाओं के लिए निशुल्क प्रशिक्षण सुविधा)

केंद्रीय अध्यक्ष
(SFC. मोटीया मजदूर संघ) झारखंड

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

अजय उर्फ छोटू

अध्यक्ष

संघर्ष सेवा समिति
टंडवा(चतरा), झारखंड

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर समस्त देशवासियों व झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

RC RUNGTA GROUP
www.therungtagroup.com

ए इकाई ऑफ आरसी रूंगटा ग्रुप

लोहारी कोल माइंस
अरन्या माइंस प्राइवेट लिमिटेड
लोहड़ा, पलामू

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

निवेदक

इंदुमति टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय
दीभा, चतरा

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

Sandip singh

Maa shanti mining private ltd
Hanterganj, chatra

नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय

मेदिनीनगर, पलामू - 822102

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय, उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान का स्मरण करता है जिनके अथक प्रयासों से हमारा राष्ट्र स्वतंत्र हुआ।

इस पावन अवसर पर नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान देने हेतू लगातार प्रयासरत है।

जय हिन्द ! जय भारत !

प्रो० (डॉ०) दिनेश कुमार सिंह
कुलपति